आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 77 | उज्जैन, शुक्रवार 07 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

औद्योगिक विकास के नये युग की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश-मुख्यमंत्री

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पहली बार होंगी सेक्टर वाइस समिट विशेषज्ञ, नीति निर्माता और निवेशक होंगे एक मंच पर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश अपने रणनीतिक प्रयासों से औद्योगिक विकास के नए युग की ओर अग्रसर है। निवेशकों को अधिक प्रभावी अवसर देने के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में राज्य के प्रमुख 6 सेक्टर्स पर केंद्रित समिट के आयोजन की महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। यह पहली बार होगा जब हर सेक्टर के विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और निवेशक एक मंच पर आकर विशेषज्ञ चर्चाओं, अवसरों और नीतिगत सुधारों पर संवाद करेंगे। इससे निवेश प्रक्रिया को अधिक सुगम, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी बनाया जा सकेगा।

देश का आकर्षक डेस्टिनेशन बनता मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की अद्वितीय भौगोलिक स्थिति, समृद्ध प्राकृतिक संसाधन, विकसित बुनियादी ढांचा और उद्योग-अनुकूल नीतियां इसे निवेश के लिए देश का सबसे आकर्षक डेस्टिनेशन बनाती हैं। शहरी विकास, पर्यटन, माइनिंग, रिन्यूएबल एनर्जी, आईटी और एमएसएमई, ये सभी क्षेत्र अपनी असीमित संभावनाओं और अनुकूल वातावरण से निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं। मध्यप्रदेश न केवल देश का पहला डायमंड प्रोड्यूसिंग स्टेट है, बल्कि ग्रीन एनर्जी हब, विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र और उभरते हुए टेक्नोलॉजी हब के रूप में भी अपनी पहचान बना रहा है। इन विभागीय समिट से सरकार निवेशकों को नीतिगत प्रोत्साहन, संसाधनों की उपलब्धता और औद्योगिक ईको सिस्टम की मजबूती से अवगत कराएगी। इससे जीआईएस में होने वाली चर्चाएं वास्तविक निवेश प्रस्तावों में तब्दील हो सकेंगी।

शहरी विकास समिट

मध्यप्रदेश का शहरी बुनियादी ढांचा तेजी से सुदृढ़ हो रहा है। राज्य की स्मार्ट सिटी परियोजनाएं, मेट्रो रेल प्रोजेक्ट और लॉजिस्टिक्स हब इसे एक आदर्श रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश डेस्टिनेशन बना रहे हैं। जीआईएस में शहरी विकास समिट के माध्यम से स्मार्ट और सतत् शहरों के निर्माण पर केंद्रित चर्चा होगी, जिससे नवाचार और आधुनिक शहरी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

आक्रामक रणनीति के जरिए सरकार को घेरने में जुटा विपक्ष, बजट सत्र में नहीं हुआ हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र में विपक्ष की बदली रणनीति कार्यवाही के सुचारू संचालन में कारगर साबित होती दिख रही है। अब तक आक्रामक राजनीति के जरिये सरकार को घेरने की कोशिश करते रहे विपक्षी दलों ने इस सत्र में चर्चा में हिस्सा लेते हुए सरकार को घेरने की रणनीति अपनाई है।

इसका सकारात्मक नतीजा यह हुआ है कि बजट सत्र में फिलहाल एक दिन भी राजनीतिक घमासान की नौबत नहीं आई है। संसद बिना विघ्न बाधा के सुचारू रूप से चल रही है जिसमें विपक्ष अपने सवालों-मुद्दों को उठाते हुए सत्तापक्ष पर वार का कोई मौका नहीं छोड़ रहा तो बिना किसी मशक्कत के सरकार भी अपने विधायी कामकाज के एजेंडे को पूरा कर रही है।

दिल्ली चुनाव का नहीं पड़ा असर

बजट सत्र का निर्विघ्न रहना इसलिए भी मायने रखता है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान चरम पर रहने के बावजूद इसकी छाया संसद पर नहीं पड़ी।

प्रयाग महाकुंभ में हुई भगदड़ से लेकर अमेरिका से प्रत्यर्पित किए जा रहे भारतीयों के मामले समेत राजनीतिक गरमागरमी के कई मुद्दे होते हुए भी विपक्ष ने हंगामा करके सदन को ठप करने की रणनीति से परहेज किया।

कर्नाटक के यादगीर में भीषण सड़क हादसा, एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के यादगीर जिले में बुधवार को एक भयंकर सड़क दुर्घटना हुई है। यहां एक दुर्घटना में तीन बच्चों सहित एक ही परिवार के पांच सदस्यों की जान चली गई। दुर्घटना सुरपुरा पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में तिनथानी आर्क के पास हुई। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना तब हुई जब ये पांचों बाइक पर सवार होकर सुरपुरा से तिनथानी की ओर जा रहे थे।

मृतकों की हुई पहचान- मृतकों की पहचान 35 वर्षीय अंजनेय, उनकी 28 वर्षीय पत्नी गंगम्मा, उनके बच्चे पांच वर्षीय पवित्रा और तीन वर्षीय रायप्पा और अंजनेय के भतीजे, एक वर्षीय हनुमंत के रूप में की गई है। कल्याण कर्नाटक सड़क परिवहन निगम (केकेएसआरटीसी) की एक बस ने चालक के वाहन से नियंत्रण खो देने के बाद पीछे से बाइक को टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हुआ।

बस की टक्कर से सभी दो बच्चों सहित तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अन्य दो ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। टक्कर से बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के समय बस कलबुर्गी से चिंचोली जा रही थी।

अनुशासनात्मक जांच में सिर्फ संभावनाओं की अधिकता दिखाने की जरूरत, इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सरकारी नियोक्ताओं को दोषी कर्मचारी को बर्खास्त करने के लिए अनुशासनात्मक कार्यवाही के दौरान कदाचार साबित करने के लिए सिर्फ संभावनाओं की अधिकता दिखाने की जरूरत है जो आपराधिक मुकदमों से कम कठोर पैमाना है।

आपराधिक मुकदमों में आरोपों को संदेह से परे साबित करना होता है। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने चार फरवरी के आदेश में कलकत्ता हाई कोर्ट की खंडपीठ के मार्च, 2012 के एक फैसले को रद कर दिया, जिसमें भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआइ) के पूर्व सहायक अभियंता (सिविल) प्रदीप कुमार बनर्जी की बर्खास्तगी के आदेश को पलट दिया गया था।

प्रदीप कुमार की बर्खास्तगी बरकरार

संबंधित आपराधिक मामले में बरी किए जाने के बावजूद शीर्ष अदालत ने प्रदीप कुमार की बर्खास्तगी को बरकरार रखा। जस्टिस मेहता द्वारा लिखे 28 पेज के फैसले में कहा गया है, कानून का स्थापित सिद्धांत है कि आपराधिक मुकदमे में अभियोजन पक्ष पर मामले को संदेह से परे साबित करने का दायित्व होता है। हालांकि, अनुशासनात्मक जांच में विभाग पर सीमित दायित्व होता है और उसे संभावनाओं की अधिकता के सिद्धांत पर अपना मामला साबित करना होता है।

यह फैसला सरकारी नियोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण हथियार साबित हो सकता है, जो अनुशासनात्मक कार्यवाही के तहत कदाचार के दोषी कर्मचारियों को बर्खास्त कर सकते हैं, फिर चाहे संबंधित आपराधिक मामलों में उन्हें बरी ही क्यों न कर दिया गया हो।

इनकम टैक्स भरने वालों के लिए बुरी खबर, सरकार की इस योजना का नहीं मिलेगा लाभ

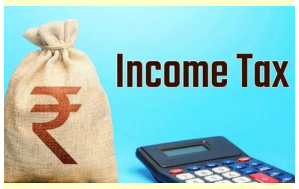

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयकर विभाग प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत अपात्र लोगों को लाभार्थियों की सूची से हटाने के लिए खाद्य मंत्रालय के साथ आंकड़े साझा करेगा। असल में आयकर विभाग के सामने ऐसे मामले सामने आए हैं, जिसमें इनकम टैक्स अदा करने वाले लोग भी पीएमजीकेएवाई के तहत राशन ले रहे हैं। बता दें कि पीएमजीकेएवाई के तहत उन गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जाता है जो आयकर का भुगतान नहीं करते हैं। तमाम राज्यों से इस तरह की शिकायतें आती रही हैं कि ऐसे लोग भी इस योजना का लाभ उठा रहे हैं, जो अपात्र हैं और आयकर का भुगतान करते हैं। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में पीएमजीकेएवाई के लिए 2.03 लाख करोड़ रुपये का प्रविधान किया है, जो कि चालू वित्त वर्ष के 1.97 लाख करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से अधिक है। पीएमजीकेएवाई को देश में कोविड-19 महामारी से हुए पैदा हुए आर्थिक गतिरोधों के कारण गरीबों और जरूरतमंदों को होने वाली मुश्किलें कम करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। हालांकि, सरकार ने पीएमजीकेएवाई के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण की अवधि एक जनवरी, 2024 से पांच साल के लिए बढ़ा दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक आदेश में कहा है कि आयकर महानिदेशक (सिस्टम) को उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय में खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) के संयुक्त सचिव को जानकारी देने का अधिकार होगा।

मतदान के बाद फार्म-17सी वेबसाइट पर डाले चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हुई याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेठी से कांग्रेस के सांसद किशोरी लाल शर्मा ने बुधवार पांच फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर मांग की है कि चुनाव आयोग को निर्देश दिया जाए कि वह मतदान समाप्त होने के बाद प्रत्येक मतदान केंद्र का फार्म-17सी वेबसाइट पर डालें। शर्मा का कहना है कि फार्म 17सी की सार्वजनिक तौर पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ऐसा किया जाना चाहिए। इससे पारदर्शिता आएगी और चुनावी अनियमितताओं पर रोक लगेगी। याचिका में कुल तीन याचिकाकर्ता हैं। किशोरी लाल शर्मा के अलावा कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा और प्रिया मिश्रा भी याचिकाकर्ता हैं।

कांग्रेस को बाबा साहेब से नफरत थी, जातिवाद से लेकर सबका साथ सबका विकास तक... पीएम मोदी के भाषण की बड़ी बातें

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र का आज यानी गुरुवार (6 जनवरी 2025) को 5वां दिन है। राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जवाब दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण, जातिवाद, कांग्रेस मॉडल, सबका साथ सबका विकास का जिक्र किया।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण को लेकर कहा कि आदरणीय राष्ट्रपति जी ने भारत की उपलब्धियों के बारे में, दुनिया की भारत से अपेक्षाओं के बारे में और भारत के सामान्य मानवी का आत्मविश्वास, विकसित भारत का संकल्प जैसे सभी विषयों की विस्तार से चर्चा की थी। देश को आगे की दिशा भी उन्होंने दिखाई है।

कांग्रेस पर पीएम का तंज- पीएम मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने राजनीति का एक ऐसा मॉडल तैयार किया था, जिसमें झूठ, फरेब, भ्रष्टाचार परिवारवाद, तुष्टिकरण आदि का

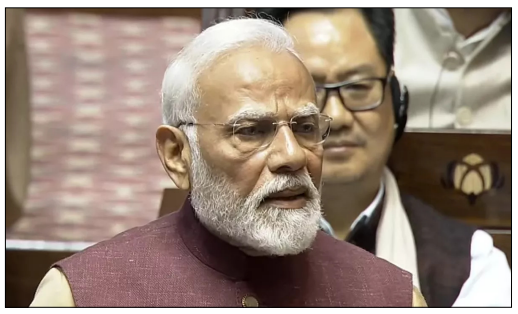

घालमेल था। कांग्रेस के मॉडल में फैमिली फर्स्ट ही सर्वोपरि है। इसलिए, उनकी नीति-रीति, वाणी-वर्तन उस एक चीज को संभालने में ही खपता रहा है।

मैं देश का आभारी हूँ कि मुझे तीसरी बार सेवा करने के लिए चुना गया। भारत के लोगों ने हमारी प्रगति की नीति का परीक्षण किया है और हमें वादों को पूरा करते हुए देखा है। हमने नेशन फर्स्ट के आदर्श के साथ लगातार काम किया है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि लंबे समय तक देश के सामने विकल्प नहीं था।हमारा मॉडल तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण वाला है।जनता ने तीसरी बार हमें सेवा करने का मौका दिया।जनता ने विकास मॉडल का समर्थन किया। कांग्रेस झुनझुना बांटती रहती है. आज जातिवाद का जहर फैलाने का प्रयास हो रहा है। लेकिन तीन दशक तक, दोनों सदनों में सभी दलों के OBC MPs सरकारों से मांग करते रहे थे कि OBC आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया जाए, लेकिन उनकी मांग को ठुकरा दिया गया। क्योंकि शायद उस समय उनकी (कांग्रेस) राजनीति को ये सूट नहीं करता होगा।

जिसे कोई नहीं पूछता उसे मोदी पूजता है- बाबा साहब भीम राव अंबेडकर को लेकर कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर से कांग्रेस को कितनी नफरत थी, उनके प्रति कांग्रेस में इतना गुस्सा था कि उनकी (बाबा साहेब) की हर बात से कांग्रेस चिढ़ जाती थी। इसके सारे दस्तावेज मौजूद हैं। इसी गुस्से के कारण दो-दो बार बाबा साहेब को चुनाव में पराजित करने के लिए क्या कुछ नहीं किया गया।

मोरक्को वापस जाओ, ट्रेन में महिला की नस्लवादी टिप्पणी से भड़के लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें एक महिला ब्रिटिश ट्रेन में अपने सहयात्री के खिलाफ नस्लवादी टिप्पणी कर रही है। ये फुटेज पहली बार टिकटॉक पर शेयर किया गया था, उसमें महिला अपने साथी यात्री, एक NHS डेंटिस्ट को मोरक्को या ट्यूनीशिया वापस जाने के लिए कह रही है, जिससे नस्लवाद के आरोप लग रहे हैं।

यह घटना लंदन से मैनचेस्टर जा रही अवंती वेस्ट कोस्ट ट्रेन में सामने आई जब NHS डेंटिस्ट के सामने बैठी महिला ने कथित तौर पर उसे स्वर में अपने पैर हिलाने के लिए कहा, जिसके बाद नस्लवादी टिप्पणी की गई।

जवाब में क्या बोली महिला- यूके में जन्मे डेंटल ने इसका जवाब देते हुए कहा, आप ऐसा क्यों कह रहे हैं, यह बहुत अपमानजनक है। मैं यहीं पैदा हुई थी। क्या आप यहां पैदा हुए थे? ऐसा नहीं लगता महिला ने उत्तर दिया। फिर वह दृढ़ता से उससे कहता है, कभी भी मेरा इस तरह अपमान मत करो, लेकिन माफी मांगने के बजाय, वह उपेक्षापूर्ण और आक्रामक टिप्पणी के साथ जवाब देती है, तुम्हारे लिए सही सेवा करती है।

जब महिला से उसकी जातीयता के बारे में पूछा गया तो उसने जवाब देने से इनकार करते हुए कहा, मैं आपसे बात नहीं करना चाहती।

दर्शकों ने सोशल मीडिया पर उठाए सवाल- द स्टैंडर्ड के अनुसार, ब्रिटिश ट्रांसपोर्ट पुलिस ने पुष्टि की कि उसे सोमवार सुबह 11.45 बजे यूस्टन से मैनचेस्टर तक एक ट्रेन में नस्लीय दुर्व्यवहार को लेकर एक टेक्स्ट रिपोर्ट मिली।

वीडियो के कारण सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है, कई दर्शकों ने महिला पर सवाल उठाए हैं और उसकी नस्लवादी टिप्पणियों की विडंबना बताई है।

एक यूजर ने लिखा, हम सभी कहीं न कहीं से आए आप्रवासी हैं। आदमी भोजन की तलाश में जगह-जगह घूमता रहता था। जहां भी भोजन होता था, लोग वहां आ जाते थे। बाद में वे झुंड बन गए, कबीलों का निर्माण किया और समूहों में नदी घाटियों में चले गए, राज्य बनाए और महिलाओं पर कब्जा कर लिया। कोई नहीं जानता कि किसी की जड़ें कहां हैं।

नस्लवाद का क्लासिक मामला- एक अन्य ने टिप्पणी की, नस्लवाद और नकली नारीवाद का क्लासिक मामला - सबसे पहले, वह उसे बीच की उंगली से अपने देश वापस जाने के लिए कहती है।

भारत के नंबर 1 दुश्मन की उड़ी नींद, ट्रंप के फैसले से हाफिज सईद के आतंकी संगठन की टूटेगी कमर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सरकार के वैधानिक निकाय यूएस एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट से प्राप्त धन का उपयोग भारत विरोधी संगठन के वित्त पोषण में भी किया गया, जिसे खुद अमेरिकी सरकार ने आतंकी संगठन घोषित किया है।

पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन को वित्त पोषण का मामला ऐसे समय सामने आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कार्यकारी आदेश के जरिये

यूएसएड को बंद करना शुरू कर दिया है। एफआइएफ और लश्कर मुंबई पर 26/11 के आतंकी हमले में शामिल थे जिसमें पाकिस्तानी आतंकियों ने छह अमेरिकी नागरिकों समेत 166 लोगों की हत्या कर दी थी। आश्चर्य की बात यह है कि आतंकी संगठनों से जुड़ी इस्लामिक धर्मार्थ संस्था को वित्त पोषण की जांच के दायरे में आने के बावजूद यूएसएड ने उसे धन जारी करना जारी रखा। अब यूएसएड पर ट्रंप के कार्यकारी आदेश की तलवार लटक रही है, लेकिन इस कारण भारत में भी कई परियोजनाएं प्रभावित हो सकती हैं।दुनियाभर में एनजीओ को फंड करने वाली यूएसएड के लाभार्थियों में से एक एफआइएफ है। आश्चर्यजनक यह भी है कि अमेरिकी करदाताओं के पैसे का उपयोग ऐसे संगठन को वित्त पोषित करने में किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने 2010 में प्रतिबंधित कर दिया था। एफआइएफ को प्रतिबंधित करने वाले अमेरिकी विदेश विभाग के दस्तावेज के अनुसार, एफआइएफ पाकिस्तान स्थित संगठन है जो प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा एवं उसके मानवता के मुखौटे जमात-उद-दावा (जेयूडी) से करीब से जुड़ा है।

अवैध प्रवासियों को निकालने में ट्रंप के भी उस्ताद पूर्व राष्ट्रपति, सबसे आगे कौन?

अमेरिका से जबरन भारत भेजे गए अवैध प्रवासियों पर भारत में संसद से सड़क तक हंगामा हो रहा है। सबसे ज्यादा हो-हल्ला प्रवासियों को जबरन भेजने के तौर तरीकों पर हो रहा है। इस बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि भारतीयों का डिपोर्टेशन पहली बार नहीं हुआ है। उन्होंने ट्रंप से पहले के राष्ट्रपतियों के कार्यकाल में हुए डिपोर्टेशन का भी ब्यौरा दिया। उधर, अमेरिका में ट्रंप के इस कदम की सराहना हो रही है। अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (ष्ठ।स) ने आकंड़ा जारी कर कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल के पहले दो हफ्तों में करीब 5,700 अवैध अप्रवासियों को जबरन देश से निकाला गया है और उनके देशों में डिपोर्ट किया गया है। न्यूजवीक की एक रिपोर्ट में एक अमेरिकी विशेषज्ञ के हवाले से कहा गया है कि अगर ट्रंप प्रशासन डिपोर्टेशन के मामले में इसी रफ्तार से आगे बढ़ता रहा तो वह पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में डिपोर्ट किए गए कुल प्रवासियों की आधी संख्या को हासिल कर लेंगे। बता दें कि पूर्व राष्ट्रपतियों के कार्यकाल में भी बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासियों का अमेरिका से निर्वासन हुआ है लेकिन चुनावों में पहली बार ट्रंप ने अवैध प्रवासियों और सीमा सुरक्षा को बड़ा मुद्दा बनाया था और सरकार बनने पर उन्हें जबरन डिपोर्ट करने का वादा किया था। 20 जनवरी को दूसरी बार राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने अब तक कुल 121 देशों में 5,693 लोगों को जबरन डिपोर्ट किया है।

मेक्सिको कोर्ट के अंदर हमला, संदिग्ध हत्यारे पर पीड़ित परिवार ने चलाए लात घूसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यू मेक्सिको में हत्या के एक संदिग्ध पर कथित तौर पर पीड़ित के चाचा और सौतेले पिता ने कोर्ट में हमला किया, ये पूरी घटना कोर्टरूम के वीडियो में कैद हुई है। वीडियो में मेक्सिको कोर्ट में हत्या के संदिग्ध पर पीड़ित के परिवार का हमला दिखाया गया है।

पुलिस के अनुसार, 21 साल के अलेक्जेंडर ऑर्टिज को पिछले साल फरवरी में अपनी पूर्व प्रेमिका, एलियाना पर गोली चलाने के सिलसिले में अल्बुकर्क पुलिस ने गिरफ्तार किया था। रिपोर्ट के अनुसार, ऑर्टिज पर फर्स्ट डिग्री मर्डर का आरोप लगाया गया था, जिसमें उसने मार्च में खुद को निर्दोष बताया था। वह अल्बुकर्क में बर्नलिलो काउंटी कोर्टहाउस में एक सुनवाई के लिए कोर्टरूम में पहुंचा था, इस दौरान उस पर हमला किया गया।

ये विवाद शुरू हो जाता है, जिसमें कई व्यक्ति फर्श पर कुश्ती कर रहे हैं, जिनमें कार्लोस लुसेरो, पीट यसासी, ऑर्टिज़, एक सुधार अधिकारी, ऑर्टिज के पिता और एक अज्ञात छठा व्यक्ति शामिल हैं। लुसेरो और यासासी को जींस और गहरे रंग की लंबी बाजू की शर्ट पहने एक व्यक्ति को मुक्का मारते हुए देखा जाता है।

पाकिस्तान में फिर आतंकियों ने बोला धावा, बंदूकधारियों ने 3 पुलिसकर्मियों को उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में एक बार फिर आतंकी हमला हुआ है। यहां उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में बृहस्पतिवार सुबह बंदूकधारियों ने एक पुलिस 'चेक पोस्ट' (जांच चौकी) पर हमला कर दिया, जिससे तीन पुलिसकर्मी मारे गए जबकि पांच घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि भारी हथियारों से लैस हमलावरों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के करक जिले में बहादुर खेल चेक पोस्ट पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि घायल पुलिसकर्मियों को करक के जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, गंभीर रूप से घायल तीन पुलिसकर्मियों को पेशावर स्थानांतरित कर दिया गया है। जिले के पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए थे। उन्होंने बताया कि इस घटना के बाद भारी पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा और अपराधियों को पकड़ने

के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। न्यूज एजेंसी 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) के अनुसार, अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इसके अनुसार, पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने हमले की निंदा की और मारे गए अधिकारियों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस हमले के लिए पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) को जिम्मेदार ठहराया। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने हमले की निंदा की है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पिछले महीने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को खत्म करने की आवश्यकता पर बल दिया था। टीटीपी एक आतंकवादी समूह है और यह कई नागरिकों तथा सुरक्षाबलों पर हमले के लिए जिम्मेदार है।

महिला वर्ग के खेलों में अब ट्रांसजेंडर्स की नो एंट्री, डोनाल्ड ट्रंप का एक और बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति की शपथ लेते ही कहा था कि अमेरिकी में बस दो ही जेंडर (पुरुष, महिला) होंगे। ट्रंप ने इशारों-इशारों में बता दिया था कि अमेरिका में रहने वाले ट्रांसजेंडर और एलजीबीटी समुदाय की मुश्किलें बढ़ने वाली है। वहीं, अब ट्रंप ने ट्रांसजेंडर को एक बड़ा झटका दिया है।

लड़कियों की खेलों में भाग नहीं लेंगी ट्रांसजेंडर- द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को ट्रांसजेंडर एथलीटों को लड़कियों और महिलाओं के खेलों में भाग लेने से रोकने के लिए एक कार्यकारी आदेश जारी किया, जब तक कि उन्हें जन्म के समय महिला का नाम नहीं दिया गया हो।

डोनाल्ड ट्रंप का यह आदेश उन पर लागू होगा जो जन्म के समय पुरुष थे और बाद में लिंग परिवर्तन कराकर महिला बन गए। ट्रंप ने अपने अभियान के दौरान कहा था कि पुरुषों को महिलाओं के खेलों से दूर रखा जाना चाहिए।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि यह फैसला आदेश शीर्षक IX' के वादे को बनाए रखेगा । यह फैसले महिला अधिकारों के लिए लिया गया है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 25 राज्यों ने हाईस्कूल और युवा स्तर पर लड़कियों के खेल में ट्रांसजेंडर एथलीटों पर प्रतिबंध

अमेरिका में टकराए दो विमान; बाल-बाल बची यात्रियों की जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के वाशिंगटन में एक और विमान हादसा हुआ है। हादसा वाशिंगटन के सबसे बड़े शहर सिएटल में एयरपोर्ट पर हुआ, सिएटल टैकोमा एयरपोर्ट पर जापान एयरलाइंस और डेल्टा एयरलाइंस के विमान आपस में टकरा गए थे। गनीमत रही कि इस हादसे में जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि यात्रियों में चीख पुकार मच गई थी, लेकिन किसी को चोट नहीं लगी।

दुर्घटना सुबह 10.17 बजे हुई जब जापानी विमान के गुजरते ही टैक्सींग विमान के विंग्स खड़े डेल्टा विमान के पिछले हिस्से से टकरा गए। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है।

कैसे घटी घटना? - यात्रियों ने घटना की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं, जापानी विमान का एक विंग डेल्टा जेट के पिछले हिस्से में फंस गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उसमें सवार लोगों की सांसें अटक गई थीं। एयरपोर्ट स्टाफ और क्रू मेंबर्स के भी हाथ-पैर फूल गए थे, लेकिन किसी तरह का टेक्निकल फॉल्ट नहीं आया और हादसा नहीं हुआ।

फिलहाल किसी के घायल होने की कोई सूचना सामने नहीं आई है। हवाईअड्डे ने एक बयान में कहा, एसईए यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतारने और उन्हें टर्मिनल तक लाने के लिए दोनों एयरलाइनों के साथ काम कर रहा है।

एक हफ्ते पहले भी हुआ था भयानक प्लेन हादसा

यह घटना अमेरिका में दो भयानक विमानन दुर्घटनाओं के बाद हुई है, जिससे हवाई अड्डों और यात्रियों में तनाव बढ़ गया है।

ठीक एक हफ्ते पहले, एक अमेरिकी सैन्य हेलिकॉप्टर के बीच हवा में अमेरिकन एयरलाइंस के विमान से टकरा जाने से 67 लोगों की मौत हो गई थी, जब वह डीसी के रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश कर रहा था।

अमेरिका से आए अवैध प्रवासियों का क्या होगा? किन पर होगी कार्रवाई, कौन बचेगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे दुनिया के कई देशों के अवैध प्रवासियों को अमेरिका वापस अपने अपने देशों में भेज रहा है। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे ऐसे ही 104 भारतीयों को लेकर एक अमेरिकी विमान बुधवार को अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा। ट्रंप सरकार बनने के बाद से ही नागरिकता कानून पर ट्रंप सरकार बेहद सख्त रूप अपनाए हुए है।

यही कारण है कि अवैध प्रवासियों को उनके देशों में भेजा जा रहा है। विमान में 79 पुरुष, 23 महिलाएं और 12 बच्चे शामिल थे। अमेरिका में रहने वाले 14 लाख अवैध प्रवासी भारतीयों पर निर्वासन की तलवार लटक रही है। सवाल यह है कि इन अवैध प्रवासियों पर भारत में कार्रवाई होगी या वे बच जाएंगे?

ट्रंप प्रशासन ने सीमाओं पर भी कर डाली सख्ती- ट्रंप प्रशासन ने सीमाओं पर सख्ती कर दी और अवैध रूप से प्रवेश करने वाले लोगों को वापस उनके देशों में भेजने का संकल्प लिया। यह भी एक दुखद सपने की तरह है कि जिन्होंने अमेरिका में रहने का सपना देखा था, उन्होंने सोचा नहीं था कि उन्हें कैदियों की तरह हथकड़ियों से बांधकर वापस इस तरह लाया जाएगा।

क्या अवैध प्रवासियों पर भारत में अपराध दर्ज होगा- सबसे पहले तो पुलिस इस बारे में यह जांच करेगी कि अवैध प्रवासी किस तरीके से अमेरिका पहुंच गए। क्या उन्होंने डंकी रूट इस्तेमाल करके ऐसा किया? इन प्रवासियों में से कई ऐसे भी हो सकते हैं जो पर्यटन वीजा लेकर अमेरिका प्रवास पर गए थे और बाद में अवसर पाकर वहीं अवैध रूप से निवास करने लगे।

ऐसे लोगों पर भारत में कोई अपराध दर्ज नहीं होगा। कारण यह है कि इन्होंने अवैध रूप से रहने का अपराध अमेरिका में किया है भारत में नहीं।

40 फुट गहरे कुएं में गिर गया था पति, जान पर खेल पर महिला ने बचाई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के पिरावोम में एक महिला ने काली मिर्च तोड़ते समय गलती से 40 फुट गहरे कुएं में सिर के बल गिरे अपने पति को साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए डूबने से बचा लिया। महिला अपनी जान जोखिम में डालकर रस्सी के सहारे कुएं में उतरी और अग्निशमन एवं बचाव कर्मियों के पहुंचने तक लगभग बेहोश हो चुके अपने पति को पकड़े रखा और डूबने से बचा लिया।

अधिकारियों द्वारा दंपती को कुएं से सुरक्षित बाहर निकाले जाने का वीडियो टेलीविजन चैनलों ने प्रसारित किए।स्थानीय निवासी 64 वर्षीय रमेशन बुधवार की सुबह अपने घर के पिछले आंगन में लगे पेड़ से काली मिर्च तोड़ने के दौरान अचानक पेड़ की एक शाखा टूटने से कुंए में गिर गए।

56 वर्षीय पद्मम अपने पति को कुंए में गिरता देख तुरंत ही रस्सी पकड़कर कुएं में उतर गई। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रस्सी को जोर से पकड़े रहने के कारण उसके हाथ बुरी तरह जख्मी हो गए थे। उसका एकमात्र ध्यान अपने पति को बचाने पर था। बचाव दल के आने तक करीब 15-20 मिनट तक उसने अपने पति को पकड़ कर सीने तक पानी में तैरती हालत में रखा।

नर्स ने घाव पर टांके लगाने की जगह लगा दी फेविक्विक, मुख्य सचिव ने किया निलंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के एक सरकारी अस्पताल में घाव पर टांके लगाने की जगह फेविक्विक का इस्तेमाल करने वाली नर्स को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें निलंबित करने का निर्णय बुधवार को राज्य सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बुलाई गई बैठक में लिया गया।

चिकित्सा उपयोग के लिए फेविक्विक की अनुमित नही- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सेवाओं के आयुक्त कार्यालय के एक बयान के अनुसार कि फेविक्विक एक चिपकने वाला पदार्थ है जिसे नियमों के तहत चिकित्सा उपयोग के लिए अनुमति नहीं है।

इस मामले में, बच्चे के इलाज के लिए फेविक्विक का उपयोग करके कर्तव्य में लापरवाही के लिए जिम्मेदार स्टाफ नर्स को प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद निलंबित कर दिया गया है और नियमों के अनुसार आगे की जांच लंबित है।

घटना 14 जनवरी को हुई थी- यह घटना 14 जनवरी को हनागल तालुक, हावेरी जिले के अड्डूर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हुई, जब सात वर्षीय गुरुकिशन अन्नप्पा होसामानी, जिसके गाल पर गहरे घाव से बहुत खून बह रहा था। उसके माता-पिता प्राथमिक उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए थे।

मुंबई-दिल्ली-कोलकाता रेल रूट कवच सिस्टम से होगा लैस, जानें कब पूरा होगा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे बोर्ड ने दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोलकाता मार्ग पर स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच लगाने की समय सीमा मार्च से बढ़ाकर दिसंबर 2025 कर दी है।

कार्य मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा- बोर्ड द्वारा साझा किए गए बजट दस्तावेज के अनुसार, नई दिल्ली-मुंबई और नई दिल्ली-कोलकाता के तीन हजार किलोमीटर मार्ग पर कवच संस्करण 4.0 के लिए पटरी के किनारे उपकरण लगाने की प्रक्रिया दिसंबर, 2025 तक पूरी हो जाएगी। रेल मंत्रालय ने पिछले साल सात अगस्त को कहा था कि इस मार्ग को कवच से लैस करने का कार्य मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा।

बजट दस्तावेज के अनुसार, भारतीय रेलवे ने 2020 में स्वदेशी रूप से विकसित कवच को राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया है। जुलाई 2024 में कवच संस्करण 4.0 के लिए स्वदेशी विकास विनिर्देश को मंजूरी दी गई थी। 10 हजार इंजन पर कवच लगाने का काम शुरू हो चुका है।

कवच एक जटिल प्रौद्योगिकी - रेलवे के अनुसार, कवच एक जटिल प्रौद्योगिकी है, जिसमें कई घटक शामिल हैं। जैसे कि पूरे रेलखंड पर लगाए जाने वाले आरएफआइडी टैग, पूरे सेक्शन में दूरसंचार टावर, पटरी के साथ आप्टिकल फाइबर केबल और प्रत्येक लोकोमोटिव पर लोको कवच।

कवच को लगाने का काम मिशन के आधार पर चल रहा है- रेलवे के सूत्रों ने बताया कि कवच को लगाने का काम भारतीय रेलवे नेटवर्क पर मिशन के आधार पर चल रहा है। कवच के नवीनतम संस्करण यानी 4.0 को जुलाई 2024 में अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा अनुमोदित किया गया था।

वंदे भारत से जुड़ेंगे कई और जिले- 2009-2014 में यूपीए सरकार के कार्यकाल से यह 18 गुना अधिक है। इससे नए स्टेशन, नए ट्रैक, ट्रैकों के मल्टी ट्रैकिंग आदि बनेंगे।

जितना कर्ज लिया उससे ज्यादा बैंक ने वसूल लिया, विजय माल्या ने खटखटाया कर्नाटक HC का दरवाजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भगोड़े कारोबारी विजय माल्या ने बुधवार को कर्नाटक हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर दावा किया है कि बैंकों की ओर से वसूली गई राशि उनके द्वारा लिए गए कर्ज से कहीं अधिक है। उसने कहा कि बैंकों का उस पर 6,200 करोड़ रुपये का कर्ज है, लेकिन इससे कई गुना अधिक वसूल किया जा चुका है।

माल्या ने बैंकों से यूनाइटेड ब्रेवरीज होल्डिंग्स लिमिटेड (यूबीएचएल, जो अब परिसमापन में है) और अन्य देनदारों से वसूल की गई राशि का ब्योरा देने संबंधी खातों का विवरण मांगा है। हाई कोर्ट ने भगोड़े कारोबारी द्वारा सोमवार को दायर याचिका के जवाब में बुधवार को बैंकों को नोटिस जारी किया।

जस्टिस आर देवदास ने बैंकों को 13 फरवरी तक जवाब देने का निर्देश दिया। अंतरिम राहत के रूप में याचिका में संशोधित वसूली प्रमाणपत्र के तहत बैंकों द्वारा किसी भी प्रकार की आगे की परिसंपत्ति की बिक्री पर रोक लगाने की भी मांग की गई।

माल्या का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता साजन पूवैया ने दलील दी कि किंगफिशर एयरलाइंस और उसकी होल्डिंग कंपनी यूबीएचएल के खिलाफ परिसमापन आदेश को सुप्रीम कोर्ट समेत सभी न्यायिक स्तरों पर बरकरार रखा गया है।

उन्होंने दलील दी कि ऋण पहले ही वसूल लिया गया है, फिर भी माल्या के खिलाफ अतिरिक्त वसूली की कार्रवाई जारी है। पूवैया ने अदालत को बताया कि ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) ने मुख्य देनदार के रूप में किंगफिशर एयरलाइंस और गारंटीकर्ता के रूप में यूबीएचएल को 6,200 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया था। वह आदेश अंतिम रूप से लागू हो गया।

हालांकि, 2017 से अब तक 6,200 करोड़ रुपये कई बार वसूल किए जा चुके हैं। वसूली अधिकारी ने पुष्टि की है कि 10,200 करोड़ रुपये वसूल किए गए हैं।

राज्यपाल का विधेयकों को मंजूरी नहीं देना लोकतांत्रिक प्रणाली की विफलता, तमिलनाडु ने कोर्ट से कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि राज्यपाल आरएन रवि का विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को दूसरी बार भी मंजूरी नहीं देना देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था की विफलता होगी।

जनता और राज्य को नुकसान हो रहा है- सुप्रीम कोर्ट- जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के मुद्दे पर राज्यपाल के साथ चल रहे टकराव को लेकर दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। ये याचिकाएं तमिलनाडु सरकार ने दायर की हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि पार्टियों के बीच विवाद के कारण जनता और राज्य को नुकसान हो रहा है।

राज्य सरकार की ओर से चार फरवरी को पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि कानून के तहत अगर राज्य विधानमंडल विधेयक पारित करता है, तो राज्यपाल पुनर्विचार के लिए कह सकते हैं।

विधेयक पर बढ़ रही रार - रोहतगी ने दलील दी, हालांकि, अगर उसी विधेयक को फिर से पारित किया जाता है और राज्यपाल के समक्ष दूसरी बार पेश किया जाता है, तो राज्यपाल के पास स्वीकृति देने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता है। यह हमारे संवैधानिक ढांचे में निर्धारित प्रक्रिया है। अगर राज्यपाल फिर भी अपनी स्वीकृति नहीं देते हैं या अपनी स्वीकृति देने में विफल रहते हैं, तो यह हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली की विफलता है।

तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजने का विकल्प पहली बार में ही तय किया जाना चाहिए था और इसे बाद में नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि विधेयक के दोबारा पारित होने और राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किए जाने के बाद, उनके पास मंजूरी देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था और दूसरी बार में वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए नहीं रख सकते थे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

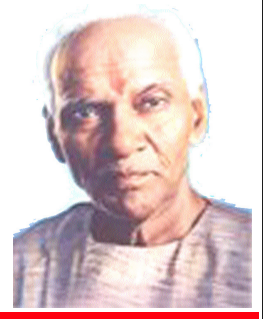

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ शुक्ल दशमी

संपादकीय

मानवीय जीव इस सृष्टि में अनमोल हीरा है...

मानवीय जीव इस सृष्टि में अनमोल हीरा है।मनुष्य में अनमोल गुणों का भंडार समाया हुआ है, परंतु हम अपने आप की शक्ति को पहचानने की कोशिश नहीं करते बल्कि हमेशा दूसरों की ताकझांक करते रहते हैं। हर क्षेत्र में दूसरों से प्रतियोगिता करने पर उतारू हो जाते हैं,कुछ नया करने की नहीं सोचते।अपनी बुद्धि का सकारात्मक उपयोग लेने पर अगर हम उतारू हो गए !तो हम सफलताओं का हर दिन एक नया इतिहास रच सकते हैं क्योंकि इतनीं बुद्धि कौशलता हर एक भारतीय में समाई हुई है। बस !ज़रूरत है उसे पहचान कर निखारने की परंतु हम अपने ही बढ़ बोलेपन से घिरे रहते हैं, दूसरों की टांग खींचने में हमको मजा आता है। किसी भी नकारात्मक विस्तार वादी बात को समाधान कर समाप्त करना जैसे हमने सीखे ही नहीं? जबकि भारत माता की मिट्टी में ही मानवीय गुणों की खान समाई हुई है जिसे हमें चुनकर अपनाना है। आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से गुणों की खान के दो हीरे चुप रहना और माफ करना पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम मानवीय अनमोल गुण चुप रहने की करें तो, बड़े बुजुर्गों की इस पर दो कहावतें हैं (1) बोलत बोलत बड़े बिखात, पहली कहावत का भावार्थ है, अति बोलने से ही बातें बिगड़ती है झगड़े दंगे फसाद मारपीट हत्याएं तक हो जाती है इसलिए चुप भली,(2) अति का भला ना बोलना अति की भली न चूप, अति का भला न बरसना अति की भली न धूप, याने दूसरी कहावत का भावार्थ अति चुप रहने को भी नकारा गया है याने अन्याय के खिलाफ चुप रहना हानिकारक है। परंतु हमें इसका निर्णय अपने समाज और राष्ट्र के फायदे को देखकर ही लेना है परंतु मेरा मानना है चुप रहने से कई फायदे हैं और सामने वाले को सटीक जवाब भी मिल जाता है। बोलने से पहले हमें याद रखना होगा के (1) बिना तथ्य के ना बोले (2) शब्दों से ठेस ना पहुंचे (3) पवित्र वस्तुओं सेवाओं का अपमान ना करें (4) क्रोध में चुप रहे (5) मुद्दे से संबंध ना होने पर चुप रहें (6) शब्दों से किसी को ठेस ना पहुंचे (7) चिल्लाने से चुप भली(8)अपमान से ना बोलें (9) जरूरत पड़ने पर सकारात्मक बोलें (10) निंदा से बचें।

साथियों बात अगर हम चुप रहकर भी अपनी दिमागी ताकत से जवाब देने की करें तो, चुप रहना और कुछ समय तक खुद को स्थिर रखना हमको एक अच्छा श्रोता और समीक्षक बनाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब हम चुप रहते हैं तो हम बोलने की बजाय अधिक से अधिक सुनते हैं और उसका विश्लेषण कर पाते हैं। इससे हम पूरे तर्क और वितर्कों को जानने के बाद सही फैसला ले पाते हैं। हम सभी पक्षों को सुनते,समझते और डिसिजन ले पाते हैं। चुप रहना हमारे दिमाग को शांत करता है और हमको लॉजिकल समीक्षक बनाता है हमारे चुप रहने से अनेक बार सामने वाले को सटीक जवाब भी मिल जाता है।

साथियों हमारे शरीर का सबसे जटिल हिस्सा दिमाग होता है। ये पूरे शरीर को चलाता है और ये हमारे सभी इमोशंस को कंट्रोल करता है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने दिमाग को भी व्यायाम करवाएं। जिस तरह शरीर को मजबूत बनाने के लिए शारीरिक व्यायाम जरूरी है, उसी तरह दिमाग को मजबूत बनाने के लिए उनकी ताकत बढ़ाना जरूरी है। मौन रहना दिमाग के लिए एक व्यायाम जैसा ही है और इससे दिमाग की मांसपेशियां तंदरुस्त रहती हैं।चुप रहने के अपने शारीरिक और मानसिक फायदे भी हैं? विशेषज्ञ मानते हैं कि चुप रहने से व्यक्ति दिमागदार और उत्पादक बनने की और अग्रसर होता है जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वाध्याय स्वास्थ्य सुधार होने की संभावना बनी रहती है।

सुभद्रा कुमारी चौहान

सुभद्रा कुमारी चौहान हिन्दी की सुप्रसिद्ध कवयित्री और लेखिका थीं। उनके दो कविता संग्रह तथा तीन कथा संग्रह प्रकाशित हुए, पर उनकी प्रसिद्धि झाँसी की रानी कविता के कारण है। सुभद्रा जी राष्ट्रीय चेतना की एक सजग कवयित्री रहीं, किन्तु उन्होंने स्वाधीनता संग्राम में अनेक बार जेल यातनाएँ सहने के पश्चात् अपनी अनुभूतियों को कहानी में भी व्यक्त किया। वातावरण चित्रण-प्रधान शैली की भाषा सरल तथा काव्यात्मक है, इस कारण उनकी रचना की सादगी हृदयग्राही है।

चमक उठी सन् सत्तावन में
वह तलवार पुरानी थी
बुंदेले हरबोलों के मुँह
हमने सुनी कहानी थी
खूब लड़ी मरदानी वह तो
झाँसी वाली रानी थी।

वीर रस से ओत प्रोत इन पंक्तियों की रचयिता सुभद्रा कुमारी चौहान को राष्ट्रीय वसंत की प्रथम कोकिला का विरुद दिया गया था। यह वह कविता है जो जन-जन का कंठहार बनी। कविता में भाषा का ऐसा ऋजु प्रवाह मिलता है कि वह बालकों-किशोरों को सहज ही कंठस्थ हो जाती हैं। कथनी-करनी की समानता सुभद्रा जी के व्यक्तित्व का प्रमुख अंग है। इनकी रचनाएँ सुनकर मरणासन्न व्यक्ति भी ऊर्जा से भर सकता है। ऐसा नहीं कि कविता केवल सामान्य जन के लिए ग्राह्य है, यदि काव्य-रसिक उसमें काव्यत्व खोजना चाहें तो वह भी है - हुई वीरता की वैभव के साथ सगाई झाँसी में।

लक्ष्मीबाई की वीरता का राजमहलों की समृद्धि में आना जैसा एक मणिकांचन योग था, कदाचित उसके लिए वीरता और वैभव की सगाई से उपयुक्त प्रयोग दूसरा नहीं हो सकता था। स्वतंत्रता संग्राम के समय के जो अगणित कविताएँ लिखी गईं, उनमें इस कविता और माखनलाल चतुर्वेदी एक भारतीय आत्मा की पुष्प की अभिलाषा का अनुपम स्थान है। सुभद्रा जी का नाम मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा नवीन की यशस्वी परम्परा में आदर के साथ लिया जाता है। वह बीसवीं शताब्दी की सर्वाधिक यशस्वी और प्रसिद्ध कवयित्रियों में अग्रणी हैं।

जीवन परिचय

सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म नागपंचमी के दिन 16 अगस्त 1904 को इलाहाबाद के पास निहालपुर गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम ठाकुर रामनाथ सिंह था। सुभद्रा कुमारी की काव्य प्रतिभा बचपन से ही सामने आ गई थी। आपका विद्यार्थी जीवन प्रयाग में ही बीता। क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज में आपने शिक्षा प्राप्त की। 1913 में नौ वर्ष की आयु में सुभद्रा की पहली कविता प्रयाग से निकलने वाली पत्रिका मर्यादा में प्रकाशित हुई थी। यह कविता सुभद्राकुँवरि के नाम से छपी। यह कविता 'नीम' के पेड़ पर लिखी गई थी। सुभद्रा चंचल और कुशाग्र बुद्धि थी। पढ़ाई में प्रथम आने पर उसको इनाम मिलता था। सुभद्रा अत्यंत शीघ्र कविता लिख डालती थी, मानो उनको कोई प्रयास ही न करना पड़ता हो। स्कूल के काम की कविताएँ तो वह साधारणतया घर से आते-जाते तांगे में लिख लेती थी। इसी कविता की रचना करने के कारण से स्कूल में उसकी बड़ी प्रसिद्धि थी।

बचपन

सुभद्रा और महादेवी वर्मा दोनों बचपन की सहेलियाँ थीं। दोनों ने एक-दूसरे की कीर्ति से सुख पाया। सुभद्रा की पढ़ाई नवीं कक्षा के बाद छूट गई। शिक्षा समाप्त करने के बाद नवलपुर के सुप्रसिद्ध ठाकुर लक्ष्मण सिंह के साथ आपका विवाह हो गया।[4] बाल्यकाल से ही साहित्य में रुचि थी। प्रथम काव्य रचना आपने 15 वर्ष की आयु में ही लिखी थी। सुभद्रा कुमारी का स्वभाव बचपन से ही दबंग, बहादुर व विद्रोही था। वह बचपन से ही अशिक्षा, अंधविश्वास, जाति आदि रूढ़ियों के विरुद्ध लडीं।

विवाह

1919 ई. में उनका विवाह ठाकुर लक्ष्मण सिंह से हुआ, विवाह के पश्चात् वे जबलपुर में रहने लगीं। सुभद्राकुमारी चौहान अपने नाटककार पति लक्ष्मणसिंह के साथ शादी के डेढ़ वर्ष के होते ही सत्याग्रह में शामिल हो गईं और उन्होंने जेलों में ही जीवन के अनेक महत्त्वपूर्ण वर्ष गुज़ारे। गृहस्थी और नन्हे-नन्हे बच्चों का जीवन सँवारते हुए उन्होंने समाज और राजनीति की सेवा की। देश के लिए कर्तव्य और समाज की ज़िम्मेदारी सँभालते हुए उन्होंने व्यक्तिगत स्वार्थ की बलि चढ़ा दी-

न होने दूँगी अत्याचार, चलो मैं हो जाऊँ बलिदान।

सुभद्रा जी ने बहुत पहले अपनी कविताओं में भारतीय संस्कृति के प्राणतत्वों, धर्मनिरपेक्ष समाज का निर्माण और सांप्रदायिक सद्भाव का वातावरण बनाने के प्रयत्नों को रेखांकित कर दिया था-

मेरा मंदिर, मेरी मस्जिद, काबा-काशी यह मेरी
पूजा-पाठ, ध्यान जप-तप है घट-घट वासी यह मेरी।
कृष्णचंद्र की क्रीड़ाओं को, अपने आँगन में देखो।
कौशल्या के मातृमोद को, अपने ही मन में लेखो।
प्रभु ईसा की क्षमाशीलता, नबी मुहम्मद का विश्वास
जीव दया जिन पर गौतम की, आओ देखो इसके पास।

जबलपुर से माखनलाल चतुर्वेदी कर्मवीर पत्र निकालते थे। उसमें लक्ष्मण सिंह को नौकरी मिल गई। सुभद्रा भी उनके साथ जबलपुर आ गईं। सुभद्रा जी सास के अनुशासन में रहकर सुघड़ गृहिणी बनकर संतुष्ट नहीं थीं। उनके भीतर जो तेज था, काम करने का उत्साह था, कुछ नया करने की जो लगन थी, उसके लिए घर की सीमा बहुत छोटी थी। सुभद्रा जी में लिखने की प्रतिभा थी और अब पति के रुप में उन्हें ऐसा व्यक्ति मिला था जिसने उनकी प्रतिभा को पनपने के लिए उचित वातावरण देने का प्रयत्न किया।

स्वतंत्रता में योगदान

1920-21 में सुभद्रा और लक्ष्मण सिंह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य थे। उन्होंने नागपुर कांग्रेस अधिवेशन में भाग लिया और घर-घर में कांग्रेस का संदेश पहुँचाया। त्याग और सादगी में सुभद्रा जी सफ़ेद खादी की बिना किनारी धोती पहनती थीं। गहनों और कपड़ों का बहुत शौक़ होते हुए भी वह चूड़ी और बिंदी का प्रयोग नहीं करती थी। उन को सादा वेशभूषा में देख कर बापू ने सुभद्रा जी से पूछ ही लिया, बेन! तुम्हारा ब्याह हो गया है? सुभद्रा ने कहा, हाँ! और फिर उत्साह से बताया कि मेरे पति भी मेरे साथ आए हैं। इसको सुनकर बा और बापू जहाँ आश्वस्त हुए वहाँ कुछ नाराज़ भी हुए। बापू ने सुभद्रा को डाँटा, तुम्हारे माथे पर सिन्दूर क्यों नहीं है और तुमने चूड़ियाँ क्यों नहीं पहनीं? जाओ, कल किनारे वाली साड़ी पहनकर आना। सुभद्रा जी के सहज स्नेही मन और निश्छल स्वभाव का जादू सभी पर चलता था। उनका जीवन प्रेम से युक्त था और निरंतर निर्मल प्यार बाँटकर भी ख़ाली नहीं होता था।

1922 का जबलपुर का झंडा सत्याग्रह देश का पहला सत्याग्रह था और सुभद्रा जी की पहली महिला सत्याग्रही थीं। रोज़-रोज़ सभाएँ होती थीं और जिनमें सुभद्रा भी बोलती थीं।

टाइम्स ऑफ इंडिया के संवाददाता ने अपनी एक रिपोर्ट में उनका उल्लेख लोकल सरोजिनी कहकर किया था। सुभद्रा जी में बड़े सहज ढंग से गंभीरता और चंचलता का अद्भुत संयोग था।

वे जिस सहजता से देश की पहली स्त्री सत्याग्रही बनकर जेल जा सकती थीं, उसी तरह अपने घर में, बाल-बच्चों में और गृहस्थी के छोटे-मोटे कामों में भी रमी रह सकती थीं।

लक्ष्मणसिंह चौहान जैसे जीवनसाथी और माखनलाल चतुर्वेदी जैसा पथ-प्रदर्शक पाकर वह स्वतंत्रता के राष्ट्रीय आन्दोलन में बराबर सक्रिय भाग लेती रहीं। कई बार जेल भी गईं। काफ़ी दिनों तक मध्य प्रांत असेम्बली की कांग्रेस सदस्या रहीं और साहित्य एवं राजनीतिक जीवन में समान रूप से भाग लेकर अन्त तक देश की एक जागरूक नारी के रूप में अपना कर्तव्य निभाती रहीं।

बढ़ सकती है PF की ब्याज दर, एक और तोहफा देने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने बजट 2025 में मिडिल क्लास के लिए कई एलान और वादे किए हैं। इसमें सबसे खास 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को टैक्स फ्री करना है। अब सरकार जल्द नौकरीपेशा मिडिल क्लास को एक और तोहफा दे सकती है, जो प्रोविडेंट फंड की ब्याज दर में बढ़ोतरी की शक्ल में होगा।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के केंद्रीय बोर्ड ट्रस्टी की मीटिंग 28 फरवरी को होने वाली है। इसमें 2024-25 के लिए पीएफ पर ब्याज दर बढ़ाने पर चर्चा हो सकती है। इस मीटिंग की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम मंत्री करेंगे। इसमें इम्प्लॉयर एसोसिएशन और ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि भी हिस्सा होंगे। हालांकि, अभी तक बैठक का आधिकारिक एजेंडा अभी तक नहीं जारी किया गया है।

सरकार का पूरा ध्यान फिलहाल इकोनॉमी को रिवाइव करने पर है, जिसके लिए मांग और खपत बढ़ाना जरूरी है। यही वजह है कि सरकार सिलसिलेवार उपायों के जरिए मिडिल क्लास को राहत दे रही है। इनकम टैक्स छूट की लिमिट बढ़ाने के बाद अब सरकार पीएफ की ब्याज दर बढ़ाने पर विचार कर सकती है। इससे मिडिल क्लास कर्मचारियों की पीएफ बचत पर ज्यादा कमाई होगी, तो वो दूसरे खर्च बढ़ा सकते हैं। सरकार दो साल से लगातार ब्याज बढ़ा रही है। ऐसे में पीएफ खाताधारकों को उम्मीद है कि इस बार भी ब्याज दरों में इजाफा हो सकता है। सरकार ने 2022-23 में पीएफ का इंट्रेस्ट रेट बढ़ाकर 8.15 फीसदी किया था। फिर इसे 2023-24 में 8.25 फीसदी किया गया। तब से पीएफ पर यही ब्याज दर मिल रही है, जिसे अब सरकार बढ़ाने पर विचार कर सकती है।

बैंकों के मौजूदा बेस रेट को देखते हुए पीएफ की ब्याज दरों में बहुत ज्यादा इजाफे की गुंजाइश नहीं है। ऐसे में सरकार पिछली बार की तरह 0.10 फीसदी का इजाफा कर सकती है। देश में श्क्क्ञह के पास सात करोड़ से अधिक लोगों का खाता है। इसमें लगातार नए मेंबर जुड़ रहे हैं। ईपीएफओ के पेंशन फंड में पैसे जमा करने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

आरबीआई देगा बड़ी राहत? एक्सपर्ट बोले- इस बार ब्याज दरों में हो सकती है कटौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की दो महीने पर होने वाली बैठक बुधवार (5 फरवरी) को शुरू हो गई। उम्मीद है कि इस बार एमपीसी शुक्रवार को होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो कर्ज सस्ता होने का दौर एक बार फिर शुरू हो सकता है।

आरबीआई ने इससे पहले मई, 2020 में रेपो रेट को 0.40 प्रतिशत घटाकर चार प्रतिशत किया था। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना था कि अर्थव्यवस्था को कोरोना महामारी और उसके बाद के लॉकडाउन के संकट से निपटने में मदद मिल सके। आरबीआई ने मई, 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर नीतिगत दर में वृद्धि का सिलसिला शुरू किया था और मई, 2023 में वृद्धि पर रोक लगी। अभी रेपो रेट 6.5 प्रतिशत है।

आरबीआई के नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार से शुरू होने वाली अपनी पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। छह सदस्यीय समिति के फैसले की घोषणा सात फरवरी शुक्रवार को की जाएगी। विशेषज्ञों की राय है कि मौजूदा स्थिति नीतिगत दर में कटौती के लिए अनुकूल है क्योंकि यह खपत आधारित मांग वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय बजट में घोषित उपायों के पूरक के रूप में काम करेगा।

क्रैश हुए स्विगी के शेयर, जानिए किस वजह से आई भारी गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। फूड और ग्रॉसरी डिलीवरी सेक्टर की दिग्गज कंपनी स्विगी के शेयर गुरुवार को 8 फीसदी तक गिर गए। इसकी वजह कंपनी के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजे हैं। स्विगी ने 31 दिसंबर, 2024 को खत्म तिमाही के लिए बुधवार को नतीजे जारी किए।

स्विगी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान उसका घाटा बढ़कर 799.08 करोड़ रुपये हो गया है। इससे बीएसई पर शेयर 7.43 फीसदी गिरकर 387 रुपये पर आ गया। एनएसई पर यह 7.84 फीसदी फिसलकर 385.25 रुपये पर आ गया। ये स्विगी के शेयरों का एक साल का सबसे निचला स्तर है।

स्विगी का रिजल्ट कैसा रहा- स्विगी का दिसंबर तिमाही में घाटा बढ़कर 799.08 करोड़ रुपये हो गया है। यह एक साल पहले 574.38 करोड़ रुपये था। वहीं, समीक्षाधीन अवधि में कुल खर्च बढ़कर 4,898.27 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 24 में अक्टूबर-दिसंबर के दौरान 3,700 करोड़ रुपये था। कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि ऑपरेशन से रेवेन्यू 3,048.69 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,993.06 करोड़ रुपये हो गया।

खासकर, स्विगी का कुल सकल ऑर्डर मूल्य साल-दर-साल 38 प्रतिशत बढ़कर 12,165 करोड़ रुपये हो गया। सेवाओं के विस्तार पर फोकस- स्विगी के एमडी और ग्रुप सीईओ श्रीहर्ष मजेटी ने कहा, हमने त्योहारी तिमाही के दौरान उपभोक्ता के लिए सेगमेंट के हिसाब से ऑफर देने पर फोकस करना जारी रखा। इससे हमें भरोसा है कि खपत के नए अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि फूड डिलीवरी मार्जिन और कैश-फ्लो जेनरेशन में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसे क्विक-कॉमर्स में किए जा रहे निवेशों के साथ संतुलित रखा गया है।

दुनिया के पावरफुल देशों की लिस्ट में किन देशों का दबदबा, कौन-से नंबर पर है भारत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की प्रतिष्ठित बिजनेस मैगजीन Forbes ने 2025 के सबसे पावरफुल देशों की लिस्ट जारी की है। इसमें अमेरिका पहले, चीन दूसरे और रूस तीसरे स्थान पर काबिज हैं। इस रैंकिंग को तैयार करने के लिए नेतृत्व क्षमता, आर्थिक प्रभाव, राजनीतिक शक्ति, वैश्विक गठबंधन और सैन्य ताकत जैसे कारकों को ध्यान में रखा गया है। आइए जानते हैं 2025 के टॉप 10 सबसे पावरफुल देशों की पूरी लिस्ट और भारत की स्थिति।

कौन-सा सबसे पावरफुल, भारत किस नंबर पर- फोर्ब्स की लिस्ट में 30.34 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी और 35.5 करोड़ की आबादी वाला अमेरिका पहले नंबर पर है। वहीं, चीन दूसरे और रूस तीसरे नंबर पर है। फोर्ब्स के मुताबिक, ब्रिटेन चौथे और जर्मनी पांचवें नंबर पर है (डिटेल के लिए चार्ट देखें)। भारत इस लिस्ट में यूएई के बाद 12वें नंबर पर है।

भारत के टॉप 10 में न होने पर उठे सवाल- भारत की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके पास दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना है। यह जनसंख्या के लिहाज से अब दुनिया का सबसे बड़ा मुल्क है।

डॉलर के मुकाबले क्यों गिर रहा रुपया, क्या हैं इसके फायदे और नुकसान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ महीनों से डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार कमजोर हो रहा है। यह गुरुवार (6 फरवरी 2025) को 14 पैसे गिरकर 87.57 रुपये प्रति डॉलर के नए ऑल टाइम लो-लेवल पर पहुंच गया। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर रुपया कमजोर क्यों हो रहा है? अर्थव्यवस्था के लिहाज से इसके फायदे और नुकसान हैं और रुपया कब मजबूत होगा। आइए इन सवालों के जवाब जानते हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर क्यों हो रहा है- रुपये के कमजोर होने की कई वजहें हैं। इनमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों कारण शामिल हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने ग्लोबल टैरिफ वॉर की आशंका बढ़ा दी है। इसका असर रुपये पर भी दिख रहा है।

अमेरिका में ब्याज दर और बॉन्ड यील्ड काफी ऊंची है, इससे निवेशक अमेरिकी बाजार का रुख कर रहे हैं। इससे डॉलर मजबूत हो रहा है।

विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार बिकवाली कर रहे हैं। यह डॉलर की मांग बढ़ा रहा है, जिससे रुपया कमजोर हो रहा है।

चीन जैसे देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। इससे भी रुपये में कमजोरी आ रही है और डॉलर मजबूत हो रहा है।

रुपये के कमजोर होने के क्या नुकसान हैं- तेल और पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होंगे- भारत कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक है। जब रुपया गिरता है, तो पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं। इससे ट्रांसपोर्ट, लॉजिस्टिक्स और महंगाई पर असर पड़ता है।

महंगाई बढ़ सकती है- रुपये की कमजोरी से आयातित वस्तुएं महंगी हो जाती हैं, जिससे महंगाई बढ़ती है। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, और दवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।

विदेशी कर्ज, पढ़ाई और यात्रा महंगी होगी- अगर कोई भारतीय कंपनी डॉलर में लोन लेती है, तो उसे ज्यादा ब्याज चुकाना पड़ेगा। जो लोग अमेरिका, यूरोप या अन्य देशों में पढ़ाई कर रहे हैं, उनके खर्च बढ़ सकते हैं। विदेश यात्रा और होटल बुकिंग महंगी हो जाएगी।

रुपये के कमजोर होने के क्या फायदे हैं?

निर्यात को बढ़ावा मिलेगा- जब रुपया गिरता है, तो भारत के निर्यात सस्ते हो जाते हैं, जिससे विदेशी खरीददार ज्यादा सामान मंगाते हैं।

न्यू टैक्स रिजीम में 14.65 लाख रुपये की इनकम हो जाएगी टैक्स फ्री; समझ लीजिए पूरा कैलकुलेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में आम जनता को बड़ी राहत दी। उन्होंने 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को टैक्स फ्री कर दिया। इससे खासकर मिडिल क्लास को काफी फायदा होगा। साथ ही, अच्छे से प्लानिंग करने पर आप 12 से अधिक की कमाई पर भी टैक्स बचा सकते हैं। टैक्स एक्सपर्ट का मानना है कि 14.65 लाख रुपये की ष्ट्ञष्ट (कॉस्ट टु कंपनी) को बड़े आराम से टैक्स फ्री किया जा सकता है।

कैसे टैक्स फ्री होगी 14.65 लाख रुपये की इनकम - अब मान लीजिए कि आपकी सालाना सैलरी 14.65 लाख रुपये है। इसमें से आधा पैसा यानी 50 फीसदी बेसिक सैलरी में जाती है। वहीं, बाकी 50 फीसदी अन्?य मदों और अलाउंस के रूप में मिलती है। हम बेसिक सैलरी वाली रकम के हिसाब से आगे टैक्स डिडक्शन की कैलकुलेशन करेंगे।

अगर कंपनी बेसिक सैलरी के 12 फीसदी रकम का अंशदान कर्मचारी भविष्य निधि में करती है, तो उस पर टैक्स डिडक्शन क्लेम किया जा सकता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

तहसीलदार और 5 पटवारियों ने जनपद पंचायत सीईओ को किया किडनैप, 13 पर केस दर्ज

नीमच। बुधवार को तहसीलदार और पांच पटवारियों ने मिलकर जनपद पंचायत सीईओ को किडनैप कर लिया। किडनैपर जावद जनपद पंचायत सीईओ आकाश धारवे को काली स्कॉर्पियो में बैठाकर इंदौर की ओर ले जा रहे थे।

सूचना मिलने पर नीमच और उज्जैन पुलिस ने नागदा में घेराबंदी कर सीईओ को छुड़ाया। इस मामले में बेटमा तहसीलदार जगदीश रंधावा, 5 पटवारी और एक महिला समेत कुल 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। भाई ने दी अपहरण की सूचना नीमच एसपी नवल सिंह सिसोदिया के

अनुसार, सीईओ धारवे के भाई ने सुबह फोन पर उनके अपहरण की सूचना दी थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए नागदा में सिविल ड्रेस में तैनात पुलिसकर्मियों की मदद से स्कॉर्पियो को रोक लिया। तहसीलदार समेत कई पटवारी शामिल इस मामले में तहसीलदार जगदीश सिंह रंधावा, पटवारी प्रमोद दास, अजय सिंह, अजय उच्छावल, पिंकी सिंह सहित 8 अन्य अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस के मुताबिक, सीईओ आकाश धारवे के बयान दर्ज होने के बाद आगे की जांच होगी।

अपहरण की वजह यह विवाद सीईओ की पूर्व की शादी संबंधी चर्चा से जुड़ा होने की बात बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, साल 2014 में उनकी शादी धार की एक युवती से तय हुई थी, लेकिन नौकरी लगने के बाद रिश्ता नहीं हो सका।

इसी युवती के परिजन बुधवार रात उनके आवास पहुंचे और हंगामा किया। पुलिस ने तब स्थिति संभाल ली थी, लेकिन सुबह दोबारा कुछ लोग आए और उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाकर ले गए। फिलहाल पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मध्य प्रदेश के शिवपुरी में क्रैश हुआ मिराज फाइटर प्लेन, दोनों पायलट सुरक्षित

शिवपुरी । मध्य प्रदेश के शिवपुरी में सेना का मिराज 2000 फाइटर प्लेन क्रैश हो गया। हादसे में दोनों पायलट सुरक्षित हैं। क्रैश से पहले ही उन्होंने इमरजेंसी इजेक्ट कर लिया था। फाइटर प्लेन एक खेत में क्रैश हुआ, जिसके बाद उसमें आग लग गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल के पास पहुंच गए थे। पायलटों को अस्पताल भेजा गया है।

जानकारी के मुताबिक नरवर तहसील के दबरासानी गांव में गुरुवार की दोपहर सेना का एक फाइटर प्लेन क्रेश होकर किसानों के खेतों में जा गिरा। फाइटर प्लेन जलकर खाक हो गया है। हालांकि इसमें सवार दोनों पायलट पूरी तरह से सुरक्षित हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचने के बात कह रहे हैं। फाइटर प्लेन क्रेश होने के कारणों का फिलहाल कोई खुलासा नहीं हो सका है।

पापा नहीं दिला रहे थे आईफोन, 10 वीं के छात्र ने लगाई फांसी

भोपाल। परवलिया सड़क थाना इलाके में मंगलवार दोपहर 10 वीं के छात्र ने खेत में बने मकान में फांसी लगा ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला है कि वह कई दिनों से पिता से आईफोन दिलाने की मांग कर रहा था।

परविलया सड़क थाना प्रभारी रोहित नागर ने बताया कि ग्राम बगोनिया निवासी 16 वर्षीय हिमांशु पुत्र कमलसिंह पाल 10 वीं कक्षा में पढ़ता था। वह कई दिनों से पिता से एप्पल कंपनी का मोबाइल फोन दिलाने की जिद कर रहा था। आर्थिक स्थिति कमजोर रहने के कारण पिता ने उसे डपट दिया था। मंगलवार को वह सुबह से घर गायब था। तलाशी करने के दौरान दोपहर लगभग 12 बजे स्वजन खेत में बने घर में पहुंचे, वहां हिमांशु फांसी पर लटका था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने की घोषणा- भोपाल में बनेगा आचार्यश्री विद्यासागर स्माकर और शोध संस्थान

भोपाल। भोपाल में जैन संत आचार्यश्री विद्यासागर जी की स्मृति में एक स्मारक स्थल का निर्माण किया जाएगा, यह घोषणा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने विधानसभा में आयोजित स्मृति दिवस कार्यक्रम में की। मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज और अन्य संसघ जैन संतों के सान्निध्य में आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज का प्रथम स्मृति दिवस मनाया गया।

सीएम बोले- आचार्यश्री साक्षात देवता थे

अपने संबोधन में सीएम डॉ. यादव ने आचार्य श्री का पुण्य स्मरण करते कहा कि इसी विधानसभा में उनके अलौकिक स्वरुप के दर्शन किये तो ऐसा लगा था कि साक्षात देवता हमारे बीच पधारे थे। ये कहना गलत होगा कि आचार्यश्री हमारे बीच नहीं हैं, वे हमारे ही बीच हैं बस उन्हें स्मरण करने की देर है।आचार्यश्री ने सच्चे अर्थों में मानव सेवा के साथ प्रकृति सेवा की। उनके सामने तप, संयम, त्याग, सेवा ये शब्द छोटे पड़ जाते हैं। आचार्यश्री भले ही कर्नाटक में जन्मे लेकिन आज हर कोई उन्हें अपना मानता है।

आचार्यश्री ने गौसंरक्षण के लिए चलाया था अभियान

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि आचार्यश्री ने गौपालन, गौसंरक्षण और गौसंवर्धन पर भी जोर दिया। उन्होंने गौमांस निर्यात का विरोध करने कई वर्षों पर पहले अभियान शुरू कर दिया था। आज जैन समाज की ओर से पूरे देश में कई गौशालाएं संचासलित की जा रही है। क्योंकि गोमाता के माध्यम से पूरी प्रकृति बदल सकती है। गोमाता के भीतर वह भाव है जो अपने बच्चों का ख्याल रखती है और मनुष्य के बच्चों का भी ख्याल रखती है।भोपाल में बनेगा स्मारक स्थल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन के अंत में एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि आचार्यश्री की स्मृति में भोपाल में भी एक स्मारक स्थल बनाया जाएगा जहां उनसे जुड़ी स्मृतियां संजोई जाएंगी। स्थान चयन बाद में किया जाएगा। सीएम डॉ. यादव की इस घोषणा का जैन समाज के हजारों लोगों ने काफी देर तक तालियां बजाकर जोरदार स्वागत किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुनिश्री के किये पादप्रक्षालन

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कार्यक्रम की शुरुआत में मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज के पादप्रक्षालन (चरण पखारकर) उनका आशीर्वाद लिया।

साथ ही आचार्यश्री के जीवन पर आधारित 25 पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। इस कार्यक्रम में भोपाल सांसद आलोक शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, भोपाल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष मनोज जैन बांगा समेत कई जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी मौजूद रहे।

संयम, ज्ञान, सेवा, समर्पण, न्याय का आदर्श हैं विद्यासागर जी महाराज जिस तरह दृश्य बदलते हैं, उसी तरह महा पुरुष शरीर बदलते हैं। विद्यासागर जी महाराज ने अपने जीवन आदर्शों से वह आदर्श प्रस्तुत किए, जिससे वे जीते जी देवता की तरह पूजे गए, पूजे जाते रहेंगे। वे सिर्फ आंखों से ओझल हुए हैं, लेकिन वे, उनके आदर्श, उनके बताए गए सद्मार्ग हमेशा हमारे साथ रहने वाले हैं।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गुरुवार को जैन मुनि विद्यासागर जी महाराज की पहली समाधि स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कहीं। उन्होंने कहा कि मुनि विद्यासागर जी महाराज ने अपने जीवनकाल में उन सभी आदर्शों और नियमों का पालन किया, जो एक सफल जीवन के लिए आवश्यक है। यह भी बोले सीएम जैन समुदाय और सनातन एक ही विचारधारा से बंधे हुए हैं।

देश के चार महाविद्यालय सोरायसिस पर शोध कर रहे , इनमें जबलपुर का कॉलेज शामिल

जबलपुर। त्वचा संबंधी बीमारी सोरासयसिस पर शोध करने स्मार्ट प्रोजेक्ट के तहत केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) दिल्ली ने देश के चार प्रमुख कॉलेजों को चुना है, जिसमें जबलपुर का आयुर्वेद कॉलेज भी शामिल है।

गुजरात के दो, कर्नाटक का एक आयुर्वेद कॉलेज सहित देश के चार कालेज तीन साल तक सोरायसिस पर शोध करेंगे। आयुर्वेद कॉलेज जबलपुर के विशेषज्ञ इस शोध को पूरा करने में जुट गए हैं। सोरायसिस पीड़ित मरीजों को 180 दिन औषधि देकर उसके गुण-दोष पर अध्ययन किया जा रहा है, साथ ही सोरायसिस के नए उपचारों का भी अध्ययन कर रहे हैं।120 मरीजों को शोध में किया शामिलशासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय व चिकित्सालय के प्राचार्य डॉ. एलएल अहिरवार की अगुवाई में प्रमुख अन्वेषक डॉ. पंकज मिश्रा, सहायक के रूप में डॉ. मनीष नेमा, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता डॉ. भारती बिसेन सोरायसिस पीड़ित मरीजों पर शोध कर रहे हैं।

यह शोध तीन साल चलेगा। एक तय गाइडलाइन के अनुरूप औषधि का पैमाना तय किया गया है। इसमें 120 मरीजों को शामिल किया गया है। मरीजों को दी गई औषधि के बाद बाद इनकी स्क्रीनिंग होगी और साथ ही ऐसे औषधि के प्रभाव का अध्ययन होगा। फिर इस शोध के परिणाम सीसीआरएएस दिल्ली भेजे जाएंगे।

सोरायसिस की गंभीरता को समझेंयह एक गैर-संक्रामक बीमारी है। ऑटोइम्यून स्थिति के कारण इसमें त्वचा पर लाल चकत्ते बनने व चमड़ी का सफेद परत दर परत निकलना, खुजली होना, त्वचा पर पपड़ीदार पैच बनना सोरायसिस के प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं। इसमें त्वचा की कोशिकाएं तेजी से बढ़ती हैं। इसका इलाज ज़रूरी है, क्योंकि यह त्वचा के कुछ खास हिस्सों को प्रभावित कर सकता है।सोरायसिस होने के कारण

आयुर्वेदिक विशेषज्ञों का मानना है कि सोरायसिस असंतुलित वात और कफ दोषों के कारण होता है। विषाक्त पदार्थ, तनाव, दही और नमकीन जैसे कुछ खाद्य पदार्थों का बहुत अधिक सेवन भी इसके लिए जिम्मेदार हो सकता है।

पूर्व मंत्री स्व. श्री रामेश्वर पटेल की स्मृति में टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 का आयोजन

इंदौर। श्री गीता रामेश्वर ट्रस्ट के तत्वाधान में म.प्र. शासन के पूर्व मंत्री स्व. श्री रामेश्वर पटेल जी की स्मृति में अधिवक्ताओं के लिए दो दिवसीय टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। यह टूर्नामेंट 8 और 9 फरवरी 2025 को इंदौर के आर-9 क्रिकेट ग्राउंड, ग्राम अंबामोलिया, विद्या सागर स्कूल के पास आयोजित होगा। कुल 34 टीमों का चयन किया गया है, जिसमें 2 टीम महिला अधिवक्ताओं की है।

जानकारी देते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल, सचिव चेतन चौधरी एवं मदन परमालिया ने बताया कि 8 फरवरी

(शनिवार) और 9 फरवरी (रविवार) 2025 को आर-9 क्रिकेट ग्राउंड, ग्राम अंबामोलिया, इंदौर पर दो दिवसीय अधिवक्ता क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। रजिस्ट्रेशन केवल पहले 34 टीमों का किया गया है। प्रत्येक टीम में 11 खिलाड़ी हैं, जो सभी अधिवक्ता है।

आयोजक श्री गीता रामेश्वर ट्रस्ट एवं जय हार्डिया (को-चेयरमैन), म. प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद के तत्वावधान में किया जा रहा है। संयोजक संतोष यादव, दीपक पटेल, सहसंयोजक- साजिद खान, विजय व्यास, सौरभ हार्डिया होंगे। विशेष सहयोगी- डॉ. दौलत पटेल, दिनेश कुशवाह, दिनेश मालवीय, विकास यादव, सौरभ वर्मा, सिद्धांत सिकरवार, संजय हार्डिया हैं।

संयोगितागंज थाने में जप्त 177 वाहनों की नीलामी 28 फरवरी को होगी

इंदौर। पुलिस एक्ट में जप्त कुल 173 दो पहिया एवं 4 चारपहिया वाहन थाना परिसर संयोगितागंज इन्दौर में जिस हालत में रखे हैं वह 28 फरवरी को प्रातः 11 बजे थाना संयोगितागंज इन्दौर में खुली नीलामी के माध्यम से विक्रय किये जायेंगे। वाहनों की सूची एवं नीलामी की शर्तें आवेदन फार्म के साथ प्रदाय की जायेगी। आवेदन फार्म संबंधित थाने से प्राप्त किये जा सकेंगे। पुलिस उपायुक्त/कार्यपालिक मजिस्ट्रेट जोन क्रमांक 03 नगरीय इंदौर ने बताया कि वाहन क्रय करने के इच्छुक व्यक्ति फार्म 100 रुपए की राशि का पोस्टल आर्डर, जो पुलिस उपायुक्त इन्दौर जोन-3 के नाम से देय होगा, थाना संयोगितागंज इन्दौर में जमा कर नीलामी हेतु निर्धारित आवेदन फार्म प्राप्त कर सकते है। पूर्ण भरे हुए आवेदन फार्म प्रतिभूति राशि के डिमांड ड्राफ्ट सहित थाना संयोगितागंज में 27 फरवरी की शाम 5 बजे तक जमा किये जा सकेंगे।

मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन 07 फरवरी को

इंदौर। इंदौर जिले एवं आस-पास के क्षेत्रों में निवासित सभी पूर्व सैनिकों, वीर-नारियों, विधवाओं एवं आश्रितों के लिए मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन 07 फरवरी 2025 को सुबह 11ः30 बजे से जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कॉलोनी इंदौर के सभागार में किया जाएगा। इस दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (से.नि.) सम्मेलन को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के दौरान पूर्व सैनिकों, सैनिक विधवाओं, आश्रितों एवं वीर नारियों की समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। सभी पूर्व सैनिकों एवं परिवारों से आग्रह किया गया है कि 07 फरवरी 2025 को सुबह 11ः15 बजे तक जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कॉलोनी इंदौर के सभागार में उपस्थित रहकर इस अवसर का लाभ लेवें।

कृषकों के भुगतान को आसान बनाने के लिये ई-अनुज्ञा प्रणाली लागू

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के कल्याण एवं समस्याओं के निराकरण के लिये प्रतिबद्ध है। किसानों की उपज का भुगतान आसान बनाने के लिये प्रदेश में ई-अनुज्ञा प्रणाली लागू की गई है। कृषकों को इस प्रणाली से जोड़कर प्रत्येक भुगतान की एंट्री ई-अनुज्ञा पोर्टल पर हो रही है। व्यापारियों द्वारा इस प्रणाली का इस्तेमाल कर क्रय की गई कृषि उपज के परिवहन के लिये गेट पास बनाये जा रहे हैं। रिकॉर्ड संधारण में इस प्रणाली से बहुत लाभ हुआ है। ई-मंडी योजना, ई-अनुज्ञा प्रणाली का विस्तारित रूप है। मंडियों में इस योजना के लागू होने से मैनुअली संधारित रिकॉर्ड धीर-धीरे समाप्त हो रहा है। ई-मंडी योजना मंडी प्रांगण के अंदर कृषकों को प्रवेश से लेकर नीलामी, तौल और भुगतान की प्रक्रिया को इलेक्ट्रॉनिकली कैप्चर करने की प्रक्रिया है। योजना को स्कॉच आर्डर ऑफ मेरिट वर्ष 2023 प्रदान किया गया है।

मौसम का बड़ा उलटफेर! ठंड गई नहीं, गर्मी ने बढ़ाई बेचैनी, बारिश का नया अलर्ट

इंदौर। इंदौर समेत मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड से राहत मिल गई थी लेकिन आज सुबह से फिर शील लहर लौट आई है और तापमान में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है। बुधवार को दिन का पारा सीधे पांच डिग्री गिरा और 25.4 पर आ गया वहीं रात का पारा भी 2 डिग्री गिरा और 13.8 पर आ गया।

प्रदेश में तीन तरह के मौसम- फरवरी की शुरुआत के पहले छह दिनों में प्रदेश में तीन तरह के मौसम देखने को मिले हैं। सुबह और रात के समय हल्की ठंड का एहसास हो रहा है, दिन में गर्मी का प्रभाव बढ़ रहा है, वहीं उत्तरी हिस्सों में हल्की बारिश भी हुई है। बीते तीन दिनों में ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग के कुछ जिलों में आंधी और बूंदाबांदी देखने को मिली, जबकि अन्य जिलों में मौसम पूरी तरह साफ रहा। इसका सीधा असर यह रहा कि प्रदेश में दिन के समय गर्मी का प्रभाव बढ़ गया। बुधवार को भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर समेत कई शहरों में दिन के तापमान में 5 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। और गिरेगा तापमान

मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में तापमान में और गिरावट हो सकती है। दिन और रात दोनों ही समय तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की कमी दर्ज की जा सकती है, जिससे प्रदेश के कुछ शहरों में रात का तापमान फिर से 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे पहुंच सकता है। हालांकि, फिलहाल तापमान इससे अधिक बना हुआ है। आने वाले दिनों में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। 8 फरवरी को पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) सक्रिय होने की संभावना जताई गई है।

विद्यार्थियों की बनेगी अपार आईडी

इंदौर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा जिला पंचायत सभाकक्ष में शिक्षा विभाग एवं समग्र शिक्षा अभियान की संयुक्त समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी डीपीसी श्री विजय कुमार मण्डलोई, जिला शिक्षा अधिकारी, एडीपीसी, समस्त एपीसी, सहायक यंत्री, समस्त बीईओ एवं समस्त बीआरसीसी उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में बताया गया कि प्रत्येक विद्यार्थी की अपार आईडी बनाई जाना है। यह कार्य अभियान चलाकर किया जाए। जिले में अभी अपार आईडी बनाने की अत्यधिक धीमी प्रगति पर चिन्ता व्यक्त की गई। अशासकीय शालाओं के संगठनों के अध्यक्ष एवं सचिवों को 07 दिवस में अपार आईडी में अपेक्षित प्रगति लाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त विभागीय योजनाओं में जिले के प्रभारियों एवं विकासखण्ड के बीईओ एवं बीआरसीसी को निर्देशित कर समय-सीमा में कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा गणवेश, सायकल तथा पाठ्य पुस्तक वितरण, नामांकन, नवभारत साक्षरता, अशासकीय शालाओं की मान्यता एवं परीक्षा की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जैन द्वारा निर्देशित किया गया कि जिला स्तर पर कमेठी गठित कर विकासखण्ड के 10-10 शालाओं एवं छात्रावासों में औचक निरीक्षण किया जाए। निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक एवं भौतिक गतिविधियों की समीक्षा की जाए। नवभारत साक्षरता में फरवरी माह में 11 ग्राम पूर्ण साक्षर एवं सितम्बर माह तक 51 ग्राम पूर्ण साक्षर बनाने पर कार्य योजना तैयार की जाए।

संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी डीपीसी श्री विजय कुमार मण्डलोई के द्वारा समस्त बीआरसीसी एवं जिला शिक्षा केन्द्र के योजना प्रभारियों से समस्त बिन्दुओं पर कार्य योजना तैयार कर समय-सीमा में सभी कार्यों को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को विभिन्न शाखाओं का सौंपा गया प्रभार

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने प्रशासनिक कार्य सुविधा की दृष्टि से जिले में पदस्थ राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को विभिन्न शाखाओं का कार्य सौंपा है। जारी आदेश के अनुसार संयुक्त कलेक्टर श्री अजीत श्रीवास्तव को धार्मिक न्यास एवं देवस्थान वक्फ बोर्ड, विभागीय जांच, शिकायत शाखा, प्रभारी एवं अन्य मंत्री एवं संभाग आयुक्त से प्राप्त शिकायतों के निराकरण, भारतीय रेडक्रास सोसायटी, पी.सी.एन्ड.पी.एन.डी. एक्ट , राज्य बीमारी सहायता एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रकरण, राहत शाखा, जिला चिकित्सालय रोगी कल्याण समिति तथा स्वास्थ्य अर्बन हेल्थ का प्रभार सौंपा गया है।

इसी प्रकार प्रभारी डिप्टी कलेक्टर श्री चरनजीत सिंह हुड्डा को सत्कार शाखा, एसिड अनुमति, प्रेस रजिस्ट्रीकरण, आपदा प्रबंधन, अनुज्ञप्ति शाखा, पेट्रोलियम एवं एक्सप्लोसिव एक्ट के अन्तर्गत अनापत्ति प्रमाण जारी करना, प्रभारी डिप्टी कलेक्टर श्री विनोद राठौर को नजूल शाखा, राष्ट्रीय प्राधिकरण भू अर्जन के मुआवजा प्रकरणों का भुगतान, ई-गवर्नेंस शाखा, ब्रिस्क, संस्थागत, वित्त, अल्प बचत, चिडफंड, लोक सेवा गारन्टी, जी.एम.एफ.सी. शाखा, लोक सूचना अधिकारी, लोकायुक्त आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा, लोकल बाडी, जे.सी.शाखा तथा मुकदमा नीति शाखा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती कल्याणी पाण्डेय को रीडर टू कलेक्टर शाखा, राजस्व स्थापना शाखा, एस.डब्ल्यू , लेखा शाखा, अभिलेखागार राजस्व/सामान्य, स्टेशनरी, लायबेरी एवं फार्म्स, व्यपवर्तन शाखा, शहरी सर्वेक्षण एवं शहरों के नक्शों के निर्माण एवं अद्यतीकरण, सदर वसूली बाकी नवीस शाखा, भू-अभिलेख/ भू-प्रबंधन/ शहरी सिलिंग, जनसुनवाई तथा पीएम/ सीएम एवं सी.एस. मॉनिट शाखा नोडल अधिकारी कॉल सेन्टर शाखा का कार्य दिया गया है।

इसी तरह संयुक्त कलेक्टर श्री विजय मण्डलोई को जिला परियोजना समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान का प्रभार दिया गया है। साथ ही उन्हें मध्यस्थता सेल, नागरिक सुरक्षा सम्बन्धित कार्य, विधानसभा प्रश्नों के सहायक नोडल अधिकारी, भू-अर्जन शाखा तथा लोक परिसम्पत्ति शाखा, प्रभारी डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रियंका चौरसिया को नजारत शाखा, सहायक अधीक्षक सामान्य/ राजस्व शाखा, कलेक्टर सहभागिता समिति एवं कलेक्टर हेल्प लाईन समाधान समिति, आवक-जावक शाखा, प्रतिलिपि शाखा तथा खनिज अधिकारी का प्रभार दिया गया है। संयुक्त कलेक्टर श्रीमती रोशनी वर्धमान को वरिष्ठ लिपिक शाखा, इन्दौर सी.एस.आर. फाउण्डेशन सम्बन्धी कार्य, कॉलोनी सेल शाखा तथा म.प्र. औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन शाखा का कार्य सौंपा गया है। प्रभारी डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सीमा कनेश मौर्य को हिन्दू मेरिज एक्ट विशेष विवाह अधिनियम के प्रकरणों में कार्यवाही, भारतीय नागरिकता एवं पासपोर्ट संबंधी कार्य एवं जांच, सालवेन्सी एवं नादारी, महाराष्ट्र साहित्य सभा (पर्यवेक्षण अधिकारी), पुनर्वास शाखा, समाधान ऑनलाईन, ई. आफिस कार्य प्रणाली का क्रियान्वयन, पी.जी.आर. शाखा, पेयजल आडिट शाखा, एन.जी.टी. शाखा (राष्ट्रीय हरित अभिकरण), चरित्र सत्यापन शाखा तथा समयावधि पत्र आदि शाखाओं का प्रभारी बनाया गया है।

स्कूली विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाने में तकनीकी समस्याओं के निराकरण के लिये संपर्क नंबर जारी

इंदौर। इंदौर जिले में स्कूली विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाने का कार्य जारी है। अपार आईडी बनाने के संबंध में आने वाली तकनीकी समस्याओं के निराकरण के लिए जिला शिक्षा केंद्र द्वारा मोबाइल नंबर जारी किए गए हैं। इन नंबरों पर अशासकीय विद्यालयों के प्रतिनिधि संपर्क कर अपनी समस्या का निराकरण कर सकते हैं। बताया गया है कि इंदौर के लिये श्री राजेश वर्मा मोबाइल नंबर 9713185253 तथा श्री तेजकुंवर जाटव-9981383041 जिला शिक्षा केन्द्र राजेन्द्र नगर से संपर्क किया जा सकता है। इसी तरह इन्दौर शहरी-1 अन्तर्गत श्री नीरज गर्ग-9755931302 तथा श्री मनीष पुरोहित-9098275175 कार्यालय विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक महू नाका इंदौर, इन्दौर शहरी-2 अन्तर्गत श्री राजेन्द्र सिंह तंवर-8839186338 तथा श्रीमती मोनिका धुर्वे-8269466958 कार्यालय विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक शासकीय माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 108 सुभाष नगर, इंदौर ग्रामीण अंतर्गत श्री हरिओम वैष्णव-9424899322 तथा श्रीमती अरूणा श्रीवास्तव-8770714791 कार्यालय विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक शासकीय माध्यमिक विद्यालय तेजाजी नगर, महू अन्तर्गत श्री अनुराग भारद्वाज-8085752947 तथा श्री नीरज गुप्ता-8269466958 कार्यालय विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक हरिफाटक तहसील कार्यालय महू, सांवेर अन्तर्गत श्री लोकेन्द्र मौर्य-9754483387 तथा श्रीमती करूणा श्रीवास्तव-8962532768 कार्यालय विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक अजनोद रोड केशरीपुरा सांवेर, देपालपुर अन्तर्गत श्री माताप्रसाद गौड-8965954150 तथा श्रीमती रश्मि साहू-9424824925 कार्यालय विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक विकासखण्ड देपालपुर से अपार आईडी बनाने संबंधी तकनीकी समस्याओं के लिये सम्पर्क कर समस्या का निराकरण किया जा सकता है।

श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की इकाई नंबर तीन का रिकार्ड तोड़ प्रदर्शन

इंदौर। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह दोंगलिया (खंडवा) की 660 मेगावॉट की इकाई नंबर 3 ने लगातार दूसरे दिन अपनी उत्पादन क्षमता से अधिक रिकार्ड तोड़ 158.7 लाख यूनिट उच्चतम दैनिक विद्युत उत्पादन किया।

यूनिट का प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) 100.18 फीसदी रहा। श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह जब से स्थापित हुआ है, तब से पहली बार उसकी किसी विद्युत इकाई ने 100 फीसदी से अधिक का पीएलएफ हासिल किया। इससे पूर्व श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की 600 मेगावॉट क्षमता की इकाई नंबर 2 ने वर्ष 2015 में 100 प्रतिशत पीएलएफ अर्जित किया था। उल्लेखनीय है कि इकाई नंबर तीन ने 3 फरवरी को 158.3 लाख यूनिट विद्युत उत्पादन कर रिकार्ड बनाया था। उस दौरान यूनिट का पीएलएफ 99.94 फीसदी रहा था।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर और अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मंडलोई ने श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह के यूनिट नंबर 3 के अभियंताओं एवं कार्मिकों द्वारा 100 प्रतिशत से अधिक पीएलएफ अर्जित करने और क्षमता से अधिक उत्पादन करने पर उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि संयुक्त प्रयासों से आगे भी इसी तरह की उपलब्धियां मिलती रहेंगी। श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की उत्पादन क्षमता 2520 मेगावॉट- श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह की वर्तमान विद्युत उत्पादन क्षमता 2520 मेगावाट है। यहां पहली व दूसरी इकाई 600-600 मेगावॉट और तीसरी व चौथी इकाई 660-660 मेगावॉट की हैं।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सीईओ जिला पंचायत के द्वारा बड़नगर क्षेत्र की ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया गया

उज्जैन । गुरूवार को श्रीमती जयति सिंह, मुख्य कार्यपानन अधिकारी जिला पंचायत उज्जैन द्वारा जनपद पंचायत बड़नगर क्षेत्र की ग्राम पंचायतों का भ्रमण किया गया। जिसमें सर्वप्रथम ग्राम पंचायत रणवा में प्रगतिरत सामुदायिक स्वच्छता परिसर का निरीक्षण कर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए व नवनिर्मित गोशाला, डकपॉन्ड का निरीक्षण कर ग्राम पंचायत किलोली में प्रगतिरत गौशाला को एक माह में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए साथ ही क्रियाशील ग्राम पंचायत अंतर्गत पंचायत आमला के पंचायत भवन व नक्षत्र वाटिका का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन में वीसी व अन्य सुविधाओं के पूर्णता होने पर तारीफ की गई। इसके पश्चात ग्राम राऊदियाकला में

अमृत सरोवर 2.0 हेतु चयनित स्थान का निरीक्षण किया गया उक्त निरीक्षण के पश्चात जनपद स्तरीय सचिव व सहायक सचिव की समीक्षा बैठक ली गई जिसमें स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास, सीएम हेल्पलाइन व मनरेगा की वन टु वन समीक्षा की गई समीक्षा बैठक में निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत में व्याप्त गंदगी और प्लास्टिक फैलाव होने पर घोर नाराजगी व्यक्त की गई व प्रति शनिवार स्वच्छता दिवस का आयोजन कर 10 से 12 लोगों की टोली के साथ विशेष रूप से प्लास्टिक सफाई कर प्लास्टिक कलेक्शन कर उसे बेचकर उसकी एंट्री पंचायत दर्पण पर करने के निर्देश दिए गए व आगामी भ्रमण पर ग्रामों में गंदगी मिलने पर संबंधित के विरूद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

मनरेगा अंतर्गत लेबर बजट प्राप्त करने हेतु 45 दिवस की कार्ययोजना बना कर लेबर बजट प्राप्त करने का समय देते हुए 80त्न से कम लेबर बजट प्राप्त करने वाली पंचायत की समीक्षा की गई जिसमें सीजावता, जाफला ग्राम पंचायत में सबसे कम लेबर बजट प्राप्त करने पर घोर नाराजगी व्यक्त की गई एवं प्रधानमंत्री आवास अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध समय सीमा में आवास पूर्ण करने, आवास अंतर्गत सर्वे कार्य समय सीमा पर पूर्ण करने तथा पात्रता हेतु दिवार लेखन का कार्य 2 दिवस में पूर्ण कर ग्राम पंचायतवार फोटोग्राफ की पीडीएफ बनाकर वरिष्ठालय को प्रेषित करने के निर्देश दिए गए।

प्रशासन का दोहरा रवैया, महाकाल मंदिर के नियमों में भाजपाईयों को छूट, आम श्रध्दालु को जेल

कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान के गर्भगृह में दर्शन पूजन पर उठाये सवाल

उज्जैन। महाकाल मंदिर के नियमों में भाजपाईयों को कोई छूट दी गई है क्या, कहां गया वो प्रशासन जिसने एक आम श्रध्दालु को जेल भेज दिया था।

एक बार फिर कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड अध्यक्ष हर्ष जैन ने प्रशासन के दोहरे रवैये पर सवाल खड़ा किया है। हर्ष जैन ने कहा कि एक युवक गर्भगृह में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग को माथा क्या टेक आया उसे जेल भेज दिया, वहीं दूसरी ओर 5 फरवरी को कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान सपरिवार गर्भगृह में पूजन करने पहुंचे, लेकिन प्रशासन चूं तक नहीं कर पाया। आम भक्त के लिए सिंघम बनने वाला प्रशासन शिवराजसिंह चौहान से डर गया क्या। क्या महाकाल मंदिर में नियम सिर्फ आम भक्तों पर ही लागू होते है या भाजपा के नेताओ से प्रशासन डरता है?

कभी उज्जैन उत्तर विधायक गर्भ गृह के नियमों का उल्लंघन करके महाकाल मंदिर के गर्भगृह में दाखिल होते है तो कभी महाराष्ट्र मुख्यमंत्री के बेटे। भाजपा के नेताओ को आये दिन मंदिर के नियमों की धजियाँ उड़ाते देखा जाता रहा हैं मगर जब एक युवक दर्शन के लिए गर्भ गृह में प्रवेश कर गया तो उसे जेल भेज दिया गया। हर्ष जैन ने कहा भाजपा नेताओं से डरने वाला प्रशासन महाकाल से डरे, आम श्रध्दालुओं के साथ पक्षपात न करें।

राज्यस्तरीय युवा उत्सव में विक्रम विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक दल ने 8 स्पर्धाओं में जीते पदक

उज्जैन। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय युवा उत्सव में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के सांस्कृतिक दल ने अनेक विधाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल बाईस में से आठ स्पर्धाओं में पदक प्राप्त किया है। रंगोली स्पर्धा में देव परमार को प्रथम स्थान जबकि स्वांग में मंदाकिनी शर्मा ने तथा समूह पाश्चात्य गायन में विक्रम विश्वविद्यालय के दल ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। सांस्कृतिक दल की ऐश्वर्या शर्मा ने एकल शास्त्रीय नृत्य में तथा यतीन्द्र भाटी ने एकल सुगम गायन में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। लोकनृत्य दल, एकल सुगम गायन, पोस्टर निर्माण तथा मूर्तिशिल्प विधाओं में भी विक्रम विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक दल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

सरस्वती विद्या मंदिर में किया दीदी-आचार्यों, मेधावी भैया-बहिनों का सम्मान

उज्जैन। सरस्वती विद्या मंदिर संस्कृति भवन में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रतिभा सम्मान व आचार्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष आचार्य-दीदी तथा प्रतिभाशाली भैया-बहिनो के प्रोत्साहन हेतु आयोजित किया जाता है।

6 फरवरी को आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरस्वती विद्या मंदिर शाजापुर की पूर्व छात्रा कृतिका भीमावत डिप्टी कलेक्टर उज्जैन, राजेश सिंह कुशवाह सदस्य कार्य परिषद विक्रम विश्वविद्यालय, हेमंत व्यास माधव साइंस कॉलेज प्राचार्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर राजेंद्र गुप्त वेधशाला प्रमुख व समिति अध्यक्ष, महेंद्र भगत उज्जैन विभाग समन्वयक, कल्पना शर्मा उपाध्यक्ष, अनुराग जैन सचिव, अभिलाष जैन सहसचिव, ओमप्रकाश गर्ग सदस्य, सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. एकता इंग्ले, भगवान सिंह ठाकुर संस्कृति भवन प्राचार्य, राधेश्याम शर्मा संस्कार भवन प्रधानाचार्य, हर्षा शर्मा मक्सी मार्ग प्रधानाचार्या एवं विद्यालय परिवार समस्त दीदी-आचार्य व भैया-बहिनें उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में संचालन शैली परमार के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप-प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का परिचय सह सचिव के द्वारा करवाया गया एवं अतिथियों का स्वागत कर उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री के गृह नगर में निगम कर्मचारी हड़ताल के लिये हो रहे मजबूर

कर्मचारी संघ की शुक्रवार को भी जारी रहेगी निगम परिसर में गेट मीटिंग

उज्जैन। मुख्यमंत्रीजी हमारे शहर के होने के बावजूद हमें हड़ताल करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा क्योंकि नगर निगम के अधिकारीगण कर्मचारियों के कार्यों को करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं, जिससे हमें आंदोलन करने पड़ रहा है।

यह बात गुरुवार को नगर निगम मुख्यालय पर आयोजित गेट मीटिंग में भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सफाई कामगार संघ, स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के संरक्षक रामचंद्र कोरट ने कही। उन्होंने कहा कि आयुक्त से कर्मचारी संघ की बैठक में निर्णय होने के बावजूद अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों के कार्य नहीं किये जा रहे हैं। नगर निगम कर्मचारियों से कहा कि आपकी लंबित मांगों को मनवाना है तो सभी को संगठित होकर अपनी ताकत दिखाना होगी, तब ही अपने कार्य करा पायेंगे। एक वर्ष में करीब 80-90 कर्मचारी रिटायर हो रहे हैं।

जिससे आफिस एवं सफाई कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कर्मचारियों की भर्ती नहीं होने से कर्मचारियों पर कार्य का अतिरिक्त भार बढ़ता जा रहा है।

सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ अध्यक्ष डॉ. पवन व्यास ने कहा कि कर्मचारियों की तरह ही सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 2000 मेडीकल अलाउंस दिया जावे। अस्थाई कर्मचारियों को 10 वर्ष एवं 20 वर्ष होने पर 1500 एवं 2500 का अतिरिक्त मानदेय वेतन में लगाया जावे। समयमान-वेतनमान के बचे हुए आदेश जारी किये जावें और जिनके आदेश हो चुके हैं उन्हें एरियर का भुगतान के लिये भटकना पड़ रहा है, शीघ्र भुगतान किया जावे। स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ अध्यक्ष रमेशचंद्र रघुवंशी ने कहा कि अधिकारी बैठकों में मांगों पर सहमति बना देते हैं और फिर 1 वर्ष बीतने के बाद भी उन मांगों का निराकरण नहीं करते हैं।

सफाई कामगार संघ अध्यक्ष चंदगीराम टांकले ने कहा कि सफाई कर्मचारियों को उनके कार्य कराने में भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आउटसोर्स पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों को 3 माह से वेतन नहीं मिल रहा है। आप सभी को बड़ी संख्या में शुक्रवार को भी दोपहर 1 बजे इकट्ठा होना है, जिसमें आगे आंदोलन व हड़ताल की रुपरेखा तय की जावेगी। सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी भी की।

'धरोहर' में शामिल हुई प्रदेश की 150 से अधिक महिलाएं

उज्जैन। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की द्वितीय प्रांतीय बैठक खरगोन में संपन्न हुई। इस बैठक में उज्जैन सहित मध्य प्रदेश से डेढ़ सौ से अधिक सक्रिय महिलाएं शामिल हुई।

प्रांतीय अध्यक्ष राजकुमारी बागड़ी के द्वारा बैठक का नाम धरोहर रखा गया। उज्जैन से राजकुमारी बागड़ी ने बताया कि बैठक का उद्देश्य समाज से महिलाओं के अनुभवों का आदान-प्रदान कर सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाना है। जब महिलाएं अपने आत्मविश्वास और कार्य क्षमता में सक्रिय होती है तो समाज में सामने जैसे एकता और सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त होता है। बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारी राष्ट्रीय आंचल प्रमुख सुमन मूंदड़ा, राष्ट्रीय बाल विकास प्रमुख इंदु गर्ग और अंशु गुप्ता ने समाज में महिलाओं की भूमिका पर अपने विचार रखें। उन्होंने बताया मध्य प्रदेश में पर्यावरण, बाल विकास, स्वास्थ्य व महिला सशक्तिकरण में महिलाएं अनेक कार्य कर रही है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com